सुविचार

दुनिया में हर इंसान अलग है इसलिए जो जैसा है उसे वैसा ही स्वीकार करना सीखे!

साप्ताहिक

युवा प्रदेश

Freedom Of Speech

RNI. NO. MPHIN/2015/76299

संपादक-नागेश नरवरिया

YP24 NEWS
FREEDOM OF SPEECH
जिला एवं तहसील में संवाददाता नियुक्त करना है।
संपर्क करे -9425156055

वर्ष 9, अंक- 23 | www.yuvapradesh.in | भोपाल, शुक्रवार 12 जुलाई 2024 | ypnews24@gmail.com | पृष्ठ -8 | मूल्य 2 रुपये

बच्चों को किसी अपराध के लिए उकसाने वाले को क्या सजा मिलती है जानिए- JJ Act,2015

जब कोई व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति को किसी अपराध करने के लिए उकसाता हैं और अन्य व्यक्ति उकसावे में आकर कोई अपराध कर देता है तब वह दुष्प्रेरण का अपराध होगा। लेकिन यदि कोई व्यक्ति 18 वर्ष से कम आयु के लड़के या लड़की को किसी अपराध के लिए दुष्प्रेरित करता है तो उपरोक्त के अलावा एक और धारा जोड़ी जाएगी, जानिए।

किशोर न्याय (बालकों की देख-रेख एवं संरक्षण) अधिनियम, 2015 की धारा 87 की परिभाषात्र: यदि कोई नागरिक (महिला अथवा पुरुष) 18 वर्ष से कम आयु के किसी लड़का या लड़की को किसी भी प्रकार के अपराध के लिए, नियम तोड़ने के लिए उकसाता है, तो ऐसा व्यक्ति (महिला अथवा पुरुष) जुवेनाइल जस्टिस एक्ट 2015 की धारा 87 के अंतर्गत अपराधी घोषित किया जाएगा एवं दंडित किया जाएगा।

युवा प्रदेश समाचार पत्र
- लेखक बीआर अहिरवार(एडवोकेट एवं विधिक सलाहकार होशंगाबाद)
9827737665

जुवेनाइल जस्टिस एक्ट धारा 87 दण्ड का प्रावधान: यह अपराध संज्ञेय एवं जमानतीय/अजमानतीय दोनों प्रकार के होंगे इनकी सुनवाई प्रथम वर्ग के न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा होगी।

सजा - बालको की उकसाने वाले व्यक्ति के खिलाफ निम्न प्रकार के दण्ड का प्रावधान होगा-

1. अगर किसी बालक की चोरी करने के लिए उकसाया जाता है और वह चोरी कर लेता है तब उकसाने वाले व्यक्ति को चोरी के अपराध से दण्डित किया जाएगा।
2. अगर किसी बालक को नशीली दवाओं या शराब के विक्रय के लिए उकसाया जाता है तब उकसाने वाले व्यक्ति को किशोर न्याय अधिनियम,2015 की धारा 77 के अनुसार सात वर्ष के कारावास एवं एक लाख रुपये से दण्डित किया जायेगा। साधारण शब्दों में अगर हम कहे तो बालक को किसी अपराध करने के लिए उकसाया गया है और वह उस अपराध को कर देता है तब उकसाने वाले व्यक्ति को उसी अपराध के दण्ड से दण्डित किया जायेगा, जो बालक के द्वारा किया गया है। दूसरी भाषा में कहें तो अवयस्क बच्चा जो भी अपराध करेगा उसका दंड उसे दुष्प्रेरित करने वाले को दिया जाएगा। Notice: this is the copyright protected post. do not try to copy of this article).

न्यायालय में स्वयं के विरुद्ध डिक्री या आदेश लेना कब अपराध है जानिए

बहुत से मामले न्यायालय में जो सिविल विवाद के होते हैं, व्यक्ति उनको आपसी समझोते द्वारा न्यायालय के बाहर ही सुलह कर लेते हैं एवं कुछ मामलों मे व्यक्ति स्वयं के ही विरुद्ध आदेश पारित करवा लेते हैं, लेकिन ऐसे कपटपूर्ण तरीके से कोई सिविल मामलों मे डिक्री लेना या कोई आदेश पारित करवाने वाले व्यक्ति के खिलाफ आपराधिक मामलों के अंतर्गत कार्यवाही हो सकती है, जानिए।

भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 245 की परिभाषा: जो कोई व्यक्ति किसी सिविल मामलों मे धन प्राप्ति के लिए या कोई संपत्ति के हित के लिए स्वयं के विरुद्ध कोई डिक्री पारित करवाएगा या कोई आदेश लेगा या न्यायिक कार्यवाही के समय सब आरोपों को चुप चाप सहन करेगा वह व्यक्ति BNS की धारा 245 के अंतर्गत दोषी होगा।

उदाहरण अनुसार - राम , के विरुद्ध श्याम, एक संपत्ति के मामले मे सिविल वाद दायर करता है। राम यह जानता है की वह श्याम उसके विरुद्ध डिक्री प्राप्त कर लेगा। बाहरी समझोता होने के कारण संपत्ति को कपटपूर्ण तरीके से प्राप्त करने के लिए श्याम मुक़दमे की कार्यवाही चुप चाप सहन करेगा जिससे वह अपने ही विरुद्ध आदेश या डिक्री प्राप्त करवा ले तब श्याम उक्त BNS की धारा 245 के अंतर्गत दोषी होगा।

विशेष नोट- इस अपराध का संज्ञान मजिस्ट्रेट तब ही लेगा जब कोई व्यक्ति मजिस्ट्रेट के समक्ष कोई परिवाद दायर करेगा।

Bharatiya Nyaya Sanhita,2023 Section wyz Provision of punishment

यह अपराध सं असंज्ञेय एवं यह जमानतीय अपराध होते हैं, अर्थात पुलिस थाने में इस अपराध की एफआईआर भी दर्ज नहीं होती है न ही पुलिस अधिकारी NCR लिख सकती है। इस अपराध के लिए न्यायालय में परिवाद लगाया जा सकता है एवं सुनवाई प्रथम वर्ग न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा की जा सकती है। इस अपराध के लिए अपराधी व्यक्ति को दो वर्ष के कारावास या जुर्माना या दोनों से दण्डित किया जा सकता है।

Notice: this is the copyright protected post. do not try to copy of this article).

स्व-सहायता समूह, कुटीर व ग्रामोद्योग तथा मध्यम उद्यम को प्रोत्साहित करने बैंक अपनाएं सहयोगी प्रवृत्ति : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने एन्युअल क्रेडिट प्लान मध्यप्रदेश 2024-25 का किया विमोचन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में स्व-सहायता समूह, कुटीर-ग्रामोद्योग तथा मध्यम उद्योगों को प्रोत्साहित करने के लिए बैंक सहयोगी प्रवृत्ति अपनाते हुए अपनी गतिविधियों का विस्तार करें। रोजगारमूलक कार्यों के लिए कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यटन जैसे क्षेत्रों में सभी जिलों में समान रूप से गतिविधियों को प्रोत्साहित करना आवश्यक है।

व्यापार-व्यवसाय के साथ जन-कल्याण और आम आदमी की आर्थिक आत्मनिर्भरता से संबंधित कार्यों में बैंकों की ओर से संवदेनशीलता और तत्परता के साथ कार्य अपेक्षित है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंत्रालय में आयोजित राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति की 189वीं और 190वीं बैठक को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को राज्य बैंकर्स समिति ने राज्य शासन द्वारा सर्वजन हिताय बजट प्रस्तुत करने और ÷एक पेड़ मां के नाम÷ वृहद पौधरोपण अभियान के लिए बधाई देते हुए पौध-रोपण में सभी बैंकों के सक्रिय सहयोग का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एन्युअल क्रेडिट प्लान मध्यप्रदेश 2024-25 पुस्तक का विमोचन भी किया। बैठक में वर्ष 2023-24 में बैंकों की व्यवसाय वृद्धि, वार्षिक साख योजना, शासकीय योजनाओं की प्रगति पर जानकारी प्रस्तुत की गई। साथ ही वित्तीय समावेशन, गैर निष्पादित अस्तियों के संबंध में भी विचार-विमर्श हुआ।

उद्योग-व्यापार प्रोत्साहन के लिए आंचलिक स्तर पर गतिविधियाँ संचालित की जाएं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के सभी क्षेत्रों के समान विकास के उद्देश्य से उद्योग-व्यापार प्रोत्साहन के लिए आंचलिक स्तर पर गतिविधियाँ संचालित कर रही है। बैंकर्स इस उद्देश्य से विभिन्न अंचलों की आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए पहल करें। विकास और गरीब कल्याण राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। जनजातीय क्षेत्रों में व्याप्त साहूकारी प्रथा से निकालकर लोगों को बैंकों से जोड़ने के लिए प्रयास किए जाएं। इसी प्रकार घुमन्तु, अर्धघुमन्तु जनजातियों को ठोस आजीविका के साधन उपलब्ध कराने के लिए उन्हें कृषि अथवा व्यवसाय से जोड़ने के लिए भी कार्य योजना बनाई जाए।

बताया गया कि ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना लगभग सभी जिलों में की गई है। जिसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के बीपीएल युवाओं को आवश्यक कौशल प्रशिक्षण प्रदान करना है। नए जिले मऊगंज, मैहर और पांढुर्ना और पहले से आगर-मालवा तथा निवाड़ी में प्रशिक्षण संस्थान स्थापित करने की प्रक्रिया जारी है। बैठक में मुख्य सचिव श्रीमती वीरा राणा, अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, श्री मलय श्रीवास्तव, श्री के.सी. गुप्ता, प्रमुख सचिव सहकारिता श्रीमती दीपाली रस्तोगी, प्रमुख सचिव वित्त श्री मनीष सिंह, भारत सरकार के वित्तीय सेवा विभाग के संचालक श्री जितेन्द्र असाटी, राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति के संयोजक श्री टी.एस. जीरा सहित राज्य शासन के अधिकारी और बैंकों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

नौकरी के लिए धक्के खाता 'भारत का भविष्य' ही मोदी के 'अमृतकाल' की हकीकतः राहुल गांधी

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गुजरात के एक होटल में नौकरी की आस लिए पहुंचे युवाओं की भीड़ का वीडियो वायरल होने के बाद बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के शासन वाले राज्य बेरोजगारी की बीमारी का केन्द्र बन गए हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने दावा किया कि यह वीडियो भाजपा द्वारा गुजरात की जनता से किए गए धोखेबाज़ी मॉडल का प्रमाण है। गुजरात के भरूच का यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है । इस वीडियो में देखा जा सकता है कि बड़ी संख्या में युवा एक होटल में नौकरी के लिए खड़े हैं और उनके बीच धक्का-मुक्की भी हो रही है। राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया, बेरोज़गारी की बीमारी भारत में महामारी का रूप ले चुकी है और भाजपा शासित राज्य इस बीमारी का एपिसेंटर बन गए हैं। उन्होंने दावा किया कि एक आम नौकरी के लिए कतारों में धक्के खाता 'भारत का भविष्य ही नरेन्द्र मोदी के 'अमृतकाल की हकीकत है। खरगे ने एक्स पर पोस्ट किया, यह वीडियो 22 वर्षों से भाजपा द्वारा गुजरात की जनता से किए गए धोखेबाज़ी मॉडल का प्रमाण है। वीडियो 10 वर्षों से मोदी सरकार ने जिस तरह युवाओं की नौकरियां छीनी है, उनके भविष्य को तबाह किया है उसका ठोस सबूत भी है। उन्होंने कहा, सालाना दो करोड़ नौकरियां देने का भाजपाई वादा – पेपर लीक, भर्ती भ्रष्टाचार, शिक्षा माफ़िया, सरकारी नौकरियों को सालों तक ख़ाली रखना, आरक्षित पदों को जानकर नहीं भरना, अग्निवीर (अग्निपथ) जैसी योजना लाकर ठेके पर भर्ती करना और करोड़ों युवाओं को दर-दर ठोकरें खाने के लिए छोड़ देना इन सभी की भेंट चढ़ गया है।

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने की

8 उच्च न्यायालयों में नए मुख्य न्यायाधीशों की नियुक्ति की सिफारिश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने भारत के सात उच्च न्यायालयों में मुख्य न्यायाधीशों के लिए नियुक्तियों का प्रस्ताव दिया है जिससे मौजूदा और अपेक्षित रिक्तियों को संबोधित किया जा सके। न्यायमूर्ति मनमोहन को दिल्ली उच्च न्यायालय का नेतृत्व करने की सिफारिश की गई है जहां वह वर्तमान में कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश के रूप में सेवा कर रहे हैं। उनका यह नियुक्ति ज्ञापन प्रक्रिया के अनुरूप है जिससे उन्हें उनके मूल उच्च न्यायालय में मुख्य न्यायाधीश बनने की अनुमति मिलती है। हिमाचल प्रदेश के लिए न्यायमूर्ति राजीव शकधर को नामित किया गया है, वर्तमान मुख्य न्यायाधीश के स्थानांतरण के बाद। न्यायमूर्ति शकधर की वरिष्ठता और अनुभव उन्हें इस पद के लिए उपयुक्त उम्मीदवार बनाते हैं। जम्मू और कश्मीर और लद्दाख उच्च न्यायालय के लिए न्यायमूर्ति सुरेश कुमार कैत, जो दिल्ली उच्च न्यायालय के वरिष्ठ न्यायाधीश हैं और अनुसूचित जाति श्रेणी से संबंधित हैं, की सिफारिश की गई है। कॉलेजियम ने न्यायमूर्ति जी.एस. संधावालिया जो पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के वरिष्ठतम न्यायाधीश हैं, को मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय का नेतृत्व करने की सिफारिश की है। केरल के लिए न्यायमूर्ति नितिन माधुकरी जमदार को बॉम्बे उच्च न्यायालय से नामित किया गया है, जबकि न्यायमूर्ति के.आर. श्रीराम, जो बॉम्बे उच्च न्यायालय से भी हैं, को मद्रास उच्च न्यायालय के लिए सिफारिश की गई है। विशेष रूप से, न्यायमूर्ति ताशी रब्स्तान को मेघालय उच्च न्यायालय के लिए प्रस्तावित किया गया है, जिससे वह लद्दाख क्षेत्र से पहले मुख्य न्यायाधीश बनने की संभावना रखते हैं। ये सिफारिशें भारत की न्यायिक प्रणाली में विभिन्न उच्च न्यायालयों में वरिष्ठता, प्रदर्शन और प्रतिनिधित्व के संतुलन को साधने का उद्देश्य रखती हैं।

वनाधिकार पट्टा धारकों को मिले पीएम आवास का लाभ : राज्यपाल श्री पटेल

भोपाल। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा है कि वन अधिकार पट्टा धारकों को शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ समुचित रूप से मिले। पट्टा धारकों को प्रधानमंत्री आवास योजना का अनिवार्यत- लाभ दिया जायें। श्री पटेल ने उक्त निर्देश वन विभाग की समीक्षा बैठक में दिए। राजभवन में आयोजित बैठक में वन, पर्यावरण और अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री श्री नागर सिंह चौहान, जनजाति प्रकोष्ठ के अध्यक्ष श्री दीपक खांडेकर और अपर मुख्य सचिव वन विभाग श्री अशोक कुमार बर्णवाल मौजूद थे।

राज्यपाल श्री पटेल ने बैठक में वन मित्र पोर्टल की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि पोर्टल को आवेदक फ्रेंडली और पात्र हितग्राहियों की सहूलियत का विशेष ध्यान रख जाए। उन्होंने वन अधिकार पट्टा धारकों के लिए खेल मैदान, हाट बाज़ार, मढ़ई-मेले और श्मशान घाट की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि जनजाति समुदाय को पीएम जनमन योजना के विभिन्न घटकों को संयोजित कर प्राथमिकता से लाभान्वित करें। उन्होंने बैठक में पीव्हीटीजी वनधन केंद्रों की स्थापना की समीक्षा की। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि वन अपराध में जनजाति व्यक्तियों के विरुद्ध दर्ज प्रकरणों का गंभीरता के आधार पर वर्गीकरण कर त्वरित निराकरण के लिये मानिटरिंग की जाए। राज्यपाल श्री पटेल ने बैठक में लघु वनोपज संग्रहण अधिकार, वन ग्रामों के राजस्व ग्रामों में संपरिवर्तन, नवीन ग्राम सभाओं के गठन के पश्चात उनके नजरी नक्शे और सीमांकन की स्थिति, तेंदू-पत्ता संग्रहण, गौण वनोपज का संग्रहण एवं प्रबंधन तथा विपणन, वनोपज की खरीदी एवं बिक्री, न्यूनतम समर्थन मूल्य पर क्रय-विक्रय, वन संसाधन योजना एवं नियंत्रण समिति के गठन, गौण वनोपज के प्रबंधन हेतु सूक्ष्म प्रबंध योजना, खनिज स्वामित्व को लेकर ग्राम सभाओ की स्थिति, आदि के विभिन्न बिंदुओं की विस्तार से समीक्षा कर निर्देश दिए। वन मंत्री श्री नागर सिंह चौहान ने कहा कि लघु वनोपज संग्रहण की नीतियों में जनजातीय वर्ग के हितों का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। बैठक में जनजाति प्रकोष्ठ के अध्यक्ष श्री दीपक खांडेकर ने कहा कि तेंदूपत्ता संग्रहण और गौण वनोपज के संग्रहण, प्रबंधन और विपणन में पेसा एक्ट के प्रावधानों को लागू करने के प्रयासों को और अधिक विस्तारित किया जाए। पेसा प्रावधानों के आधार पर वनोपज संग्रहण, प्रबंधन और विपणन को और अधिक हितग्राही मूलक बनाने के संबंध में चिंतन भी किया जाए।

जिले के 154807 किसानों के बैंक खाते में पीएम किसान सम्मान निधि अंतर्गत अंतरित हुए 309614000 रू

कलेक्ट्रेट एनआईसी कक्ष में किसान कल्याण योजना, लाड़ली बहना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन तथा पीएम उज्जवल योजना राशि अंतरण कार्यक्रम सम्पन्न

सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के हितग्राहियों के खाते में 66406200 रू अंतरित

संभागीय पत्रकार हेमंत शाक्या

रायसेन। कलेक्ट्रेट कार्यालय स्थित सभाकक्ष में मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना, विभिन्न सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाएं तथा प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के हितग्राहियों को राशि अंतरण कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सविता सेन, कलेक्टर श्री अरविंद दुबे, एसडीएम श्री मुकेश सिंह, अधीक्षक भू-अभिलेख श्री राजेश राम सहित अन्य अधिकारी और हितग्राही उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा टीकमगढ़ जिले में आयोजित प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम में सिंगल क्लिक के माध्यम से रायसेन जिले के भी हितग्राहियों के खातों में विभिन्न योजनाओं की राशि अंतरित की गई। एनआईसी कक्ष में मुख्यमंत्री डॉ यादव के उद्बोधन का लाईव प्रसारण भी देखा व सुना गया। इसके उपरांत नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सविता सेन तथा कलेक्टर श्री अरविंद दुबे द्वारा विभिन्न हितग्राहियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। कलेक्टर श्री दुबे ने बताया कि आज मुख्यमंत्री डॉ यादव द्वारा मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के तहत जिले के 154807 किसानों के खाते में दो-दो हजार रू के मान से 30 करोड़ 96 लाख 14 हजार रू की राशि अंतरित की गई है। इसी प्रकार मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना अंतर्गत जिले की 250938 लाड़ली बहनों के बैंक खाते में 30 करोड़ 63 लाख 78 हजार 300 रूपए, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग अंतर्गत संचालित विभिन्न पेंशन योजनाओं के कुल 110677 पेंशनर्स के खाते में 6 करोड़ 64 लाख 6 हजार 200 रू तथा

प्रधानमंत्री उज्जवला योजना की हितग्राहियों के खाते में 65 लाख 24 हजार 320 रू की राशि अंतरित की गई।

जिले के लाभार्थी किसानों के खातों में अंतरित हुए 309614000 रू

मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के तहत रायसेन जिले के 154807 लाभार्थी किसानों के बैंक खाते में सिंगल क्लिक से वर्ष 2024-25 की प्रथम किस्त की राशि कुल 30 करोड़ 96 लाख 14 हजार रू अंतरित किए गए हैं। इसमें उदयपुरा विधानसभा के 49714 किसानों के बैंक खाते में 09 करोड़ 94 लाख 28 हजार रू, भोजपुर विधानसभा के 22650 किसानों के बैंक खाते में 04 करोड़ 53 लाख रू, सांची विधानसभा के 41822 किसानों के बैंक खाते में आठ करोड़ 36 लाख 44 हजार रू और सिलवानी विधानसभा के 40621 किसानों के बैंक खाते में आठ करोड़ 12 लाख 42 हजार रू की राशि अंतरित हुई।

सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के हितग्राहियों के खाते में 66406200 रू अंतरित

सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग अंतर्गत संचालित विभिन्न पेंशन योजनाओं के कुल 110677 पेंशनर्स के खाते में 6 करोड़ 64 लाख 6 हजार 200 रू की राशि अंतरित की गई। इसमें वृद्धावस्था पेंशन योजना के 52178 हितग्राहियों के खाते में 31306800 रू, विधवा पेंशन योजना के 17297 हितग्राहियों के खाते में 10378200 रू, निःशक्तजन पेंशन योजना के 2752 हितग्राहियों के खाते में 1651200 रू, कन्या अभिभावक पेंशन येजना के 820 हितग्राहियों के खाते में 492000 रू, मानसिक बहुविकलांग सहायता योजना के 1168 हितग्राहियों के खाते में 7000800 रू, कल्याणी पेंशन योजना के 19818 हितग्राहियों के खाते में 11890800 रू, सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के 16644 हितग्राहियों के खाते में 9986400 रू की राशि अंतरित की गई।

पर्यावरण की सुरक्षा और समृद्धि के लिए करें अधिक से अधिक पौधरोपण- विधायक डॉ चौधरी

रायसेन में 'एक पेड़ मॉ के नाम' अभियान अंतर्गत पौधरोपण कार्यक्रम सम्पन्न

संभागीय पत्रकार हेमंत शाक्या

रायसेन। हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने विश्व पर्यावरण दिवस के पुनीत अवसर पर 5 जून को बुद्ध जयंती पार्क में एक पौधा लगाकर एक पेड़ मां के नाम अभियान की शुरुआत की थी। आज मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा भोपाल में एक पेड़ मॉ के नाम अभियान अंतर्गत पौधरोपण किया गया है। पर्यावरण की सुरक्षा और समृद्धि के लिए समर्पित इस अभियान में सभी नागरिकों की सहभागिता जरूरी है। सभी नागरिक अधिक से अधिक पौधे लगाएं तथा उनकी देखभाल और सुरक्षा भी करें। यह विचार विधायक डॉ चौधरी ने रायसेन स्थित वीरांगना रानी अवंतीबाई पार्क में ''एक पेड़ मॉ के नाम'' अभियान अंतर्गत आयोजित पौधरोपण कार्यक्रम में व्यक्त किए। विधायक डॉ चौधरी ने कहा कि वर्तमान में पर्यावरण संरक्षण और संवर्धन महती आवश्यकता है। तापमान में हो रही वृद्धि को कम करने तथा भू-जल स्तर को ऊपर लाने अधिक से अधिक पौधरोपण जरूरी है। यही पौधे बड़े होकर वृक्ष का आकर लेंगे तथा वातावरण में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ाने के

साथ ही प्रदूषण नियंत्रण में भी योगदान देंगे। कार्यक्रम में कलेक्टर श्री अरविंद दुबे द्वारा एक पेड़ मॉ के नाम अभियान के तहत सम्पूर्ण जिले में आयोजित किए जा रहे पौधरोपण कार्यक्रमों के बारे में बताया गया। उन्होंने सभी से ''एक पेड़ मॉ के नाम'' अभियान में सहभागिता कर पौधरोपण करने की अपील करते हुए कहा कि सभी वायुदूत एप पर रजिस्ट्रेशन भी करें तथा पौधरोपण कर उसकी फोटो एप पर अपलोड करें।

जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, नागरिकों ने पौधरोपण कर देखभाल का लिया संकल्प:रायसेन स्थित वीरांगना रानी अवंतीबाई पार्क में ''एक पेड़ मॉ के नाम'' अभियान अंतर्गत आयोजित पौधरोपण कार्यक्रम में विधायक डॉ प्रभुराम चौधरी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री यशवंत मीणा, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सविता सेन, कलेक्टर श्री अरविंद दुबे, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंजू पवन भदौरिया, श्री राकेश शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधियों तथा अधिकारियों द्वारा पौधरोपण किया गया। इसके उपरांत विधायक डॉ चौधरी द्वारा सभी को रोपित किए गए पौधों की देखभाल करने का संकल्प दिलाया गया, जिससे कि पौधे वृक्ष का आकार ले सकें। कार्यक्रम में एसडीएम श्री मुकेश सिंह, सीएमएचओ डॉ दिनेश खत्री, सीएमओ सुश्री सुरेखा जाटव सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

शिक्षक के प्रयासों से बच्चे हो रहे लाभान्वित

महाविद्यालय की प्रोफेसर ने बाँटें पेन, कॉपी

संभागीय संवाददाता हेमंत शाक्य

सुल्तानपुर। निपुण भारत अभियान के अंतर्गत संकुल प्राचार्य श्रीमती आर एस कुमार के मार्गदर्शन में शिक्षक सुशील शर्मा द्वारा शाला में नवाचारी गतिविधि कराई जा रही है शिक्षक के कार्यों से प्रभावित होकर समुदाय द्वारा बच्चों को लाभान्वित किया जा रहा है शासकीय महाविद्यालय सुल्तानपुर की प्रोफेसर डॉक्टर रेखा रावत द्वारा प्राथमिक विद्यालय के सभी बच्चों को पेन और कापी भेंट किए गए, उन्होंने बताया है कि शिक्षक सुशील शर्मा बच्चों के हित में बेहतरीन काम कर रहे है समाज के द्वारा शिक्षक एवं बच्चों को प्रोत्साहित करना चाहिए जिससे वे अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकें क्योंकि प्राथमिक शिक्षा हर बच्चे का अधिकार है आज के समय में प्रत्येक बच्चा पढ़ लिखकर अच्छा इंसान बने,क्योंकि पढ़ लिखकर ही हम अच्छे नागरिक बन सकते हैं इस अवसर पर उन्होंने बच्चों से प्रतिदिन विद्यालय आने के लिए एवं पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया।

टेलीकॉम कंपनियों से परेशान लोग BSNL की तरफ कर रहे रुख BSNL सिम की बिक्री तीन गुना बढ़ी, लाखों ने नंबर कराए पोर्ट

भोपाल रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन

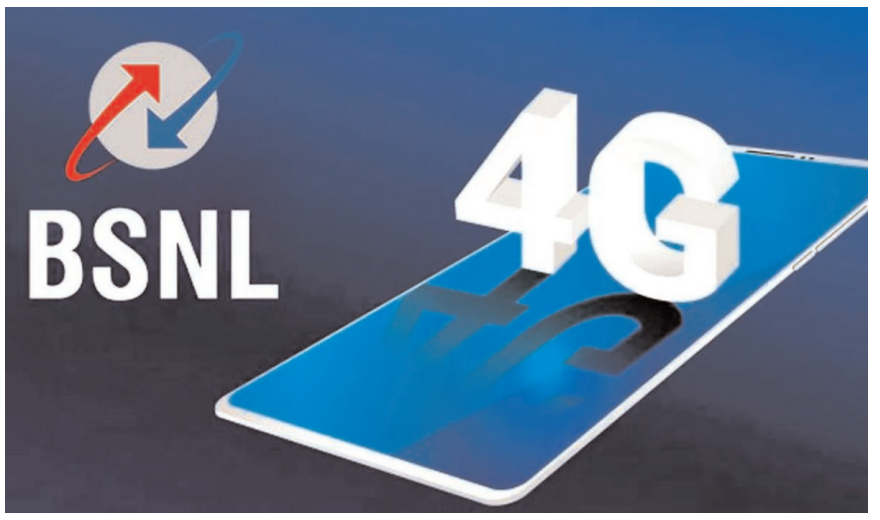

देश की तीन प्रमुख प्राइवेट टेलीकॉम कंपनियों जियो, एयरटेल और वोडाफोन आइडिया ने हाल ही में अपने रिचार्ज प्लान महंगे कर दिये। इन तीनों कंपनियों के प्लान में करीब 25 फीसदी तक की बढ़ोतरी हुई है। इन कंपनियों के रिचार्ज प्लान महंगे होने के बाद BSNL के प्रति लोगों का आकर्षण बढ़ रहा है। सोशल मीडिया पर भी आजकल BSNL ही ट्रेंड कर रहा है और लोग निजी कंपनियों के बहिष्कार की मांग कर रहे हैं। एयरटेल, जियो और वोडाफोन आइडिया के प्लान महंगे होने के बाद में BSNL के सिम की बिक्री में तीन गुना इजाफा हुआ है। इसके अलावा लाखों यूजर्स ने BSNL में अपने सिम को पोर्ट कराया है। सूत्रों के अनुसार जब से प्राइवेट टेलीकॉम कंपनियों के रिचार्ज प्लान महंगे हुए हैं उसके बाद से BSNL सिम की बिक्री तीन गुना बढ़ गई है। इसके अलावा BSNL में पोर्टेबिलिटी में भी ढाई गुना का इजाफा हुआ है। बिहार-झारखंड सर्किल के धनबाद में हर रोज BSNL के 500 सिम बिक रहे हैं। पिछले महीने यह आंकड़ा हर रोज 150 का था। इसके अलावा केवल 6 दिन में BSNL के 2500 नए ग्राहक बने हैं। एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार राजस्थान में केवल एक महीने में 1,61,083 लोग BSNL से जुड़े हैं। इसी अवधि में एयरटेल को 68,412 और जियो को 6,01,508 ग्राहकों ने अलविदा कहा है।अगले महीने देश के सभी हिस्सों में क्स्हरु की 4जी सर्विस शुरू हो रही है। शुरुआत में ग्राहकों को फ्री में 4जी सिम कार्ड मिलेंगे। इसके अलावा मौजूदा ग्राहकों के सिम कार्ड को भी फ्री में 4जी में अपग्रेड किया जाएगा। BSNL ने हाल ही में तमिलनाडु के तिरुवल्लुवर जिले में 4जी लॉन्च की है। BSNL 4G के साथ बेहतर कनेक्टिविटी और नेटवर्क का दावा किया गया है।

गायत्री परिवार ने 251 पौधे रोपकर वृक्ष गंगा अभियान को गति प्रदान की

बीआर अहिरवार (पत्रकार) बुधनी। देश की 124 जेलों में वंदियों को गायत्री मंत्र साधना और श्रेष्ठ संस्कारों से जोड़ने और वृक्ष गंगा अभियान में सक्रिय भूमिका निभाने वाले बुधनी निवासी श्री प्रेमलाल कुशवाह ने जानकारी देते हुए बताया कि आज बुधनी खेल स्टेडियम बुधनी प्रांगण में 251 छायादार वृक्षो का रोपण किया गया। जिसमें मुख्य रूप से आम, जामुन, बरगद, पीपल, बादाम के वृक्ष लगाए गए. गायत्री परिवार ट्रस्ट बरखेड़ा से भी बारिष्ठ कार्यकर्त्ता से अभियान में सामिल हुए. इस अवसर पर उपजोंन प्रभारी श्री आर, पी,हजारी ने वृक्षो का आध्यात्मिक और वैज्ञानिक महत्त्व बताया, कार्यक्रम में युवा प्रकोष्ठ के श्री अमर धाकड़, एवं बरखेड़ा शक्तिपीठ के मुख्य दृष्टि शिवनारायण राजपूत जी एवं उनकी पूरी टीम एवं सीहोर से श्री मनोहर दांगी, एवं बने सिंह दांगी भोपाल सें एन. पी. बाल्दया, बलदेव प्रसाद, मिश्रीलाल खादीपुरे, प्रकश सज्जनवार नर्मदापुरम से महेश ठाकुर,रामकुमार गौर बुधनी सें विजय सिंह पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष, रमेश चंद शर्मा, जी रोहित शर्मा जी बगवाड़ा एवं सीताराम शर्मा जी ब्लॉक कोऑर्डिनेटर आदि सहित बड़ी संख्या में लोग एवं बच्चे उपस्थित रहे. कार्यक्रम में भोपाल से पहुंचे श्रीमती शोभा सिंह राजपूत जी एवं उनकी टीम एवं बुधनी से सुनील पांडे जी का विशेष सहयोग रहा कार्यक्रम का संचालन सुरेश श्रीवास्तव ने किया।

ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने का सरल और आसान तरीका है आनलाइन प्रक्रिया

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन

भोपाल। आम नागरिकों को ज्यादा से ज्यादा सुविधाएँ प्रदान करने की दृष्टि से ड्राइविंग लाइसेंस बनाने की प्रक्रिया को और अधिक सरल किया गया है। अब कोई भी आवेदक लर्निंग लाइसेंस, नवीन ड्राइविंग लाइसेंस के आवेदन, नवीनीकरण अथवा ड्राइविंग लाइसेंस में अन्य श्रेणी के आवेदन के साथ रजिस्टर्ड चिकित्सक द्वारा पोर्टल पर ऑनलाइन फॉर्म 1ए में मेडिकल सर्टिफिकेट जारी कर सकेंगे।उल्लेखनीय है कि एक अप्रैल 2021 के पूर्व मेडिकल सर्टिफिकेट मैनुअल तरीके से जारी किए जाने का प्रावधान था। मेडिकल काउंसिल में रजिस्टर्ड चिकित्सक पोर्टल पर ऑनलाइन फॉर्म 1ए में मेडिकल सर्टिफिकेट जारी कर सकते हैं। इसके लिए उन्हें एनआईसी के सारथी पोर्टल पर पंजीयन कराना आवश्यक है। ज्यादा सुविधाएँ प्रदान करने की दृष्टि से ड्राइविंग लाइसेंस बनाने की प्रक्रिया को और अधिक सरल किया गया है। अब कोई भी आवेदक लर्निंग लाइसेंस, नवीन ड्राइविंग लाइसेंस के आवेदन, नवीनीकरण अथवा ड्राइविंग लाइसेंस में अन्य श्रेणी के आवेदन के साथ रजिस्टर्ड चिकित्सक द्वारा पोर्टल पर ऑनलाइन फॉर्म 1ए में मेडिकल सर्टिफिकेट जारी कर सकेंगे।

सायबर क्राइम भोपाल की लॉस्ट सेलफोन यूनिट द्वारा गुम हुए

56.60 लाख रूपये कीमत के मोबाईल बरामद किये गए

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन

भोपाल। सायबर क्राइम भोपाल की लॉस्ट सेल फोन यूनिट द्वारा 300 गुम हुए मोबाइल तलाश कर बरामद करने में सफलता प्राप्त की है। जिनकी अनुमानित कीमत 56 लाख रूपये है।लॉस्ट सेल फोन यूनिट द्वारा मध्यप्रदेष के जिलों जैसे रायसेन, विदिशा, राजगढ, सीहोर, नरसिंहपुर, सागर, होशंगाबाद, ग्वालियर, इन्दौर, भोपाल के अतिरिक्त देश के अलग-अलग राज्यों से जैसे छत्तीसगढ़, गुजरात, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, नई दिल्ली,महाराष्ट्र, बिहार आदि से तकनीकी एनालिसिस एवं अन्य संसाधनों के माध्यम से लोगों के गुम मोबाईल बरामद करने में सफलता प्राप्त की है। शहर में मोबाइल फोन गुम होने की घटनायें काफी ज्यादा होने के मद्देनजर रखते हुए जनसाधारण की सुविधा हेतु सायबर क्राइम भोपाल में लॉस्ट सेल फोन यूनिट संचालित की जा रही है जिसके द्वारा नागरिकों के गुम हुये मोबाइल खोजकर लौटाने का कार्य किया जा रहा है। उक्त बरामद किये गये 300 गुम मोबाईल आवेदकों को लौटाये जाने का कार्य जारी है। इसका उद्देश्य एवं महत्व ये है कि नगरीय पुलिस जिला भोपाल द्वारा सायबर क्राइम भोपाल के कार्य के समानान्तर आम नागरिकों की सहूलियत एवं वर्तमान परिवेश में आम जनता के गुमे हुए या चोरी गए मोबाइल ढूढने के लिए वर्ष 2013 से लॉस्ट सेल फोन यूनिट प्रारंभ की गई है, नागरिकों की परेशानियों को मद्देनजर रखते हुए उनकी सहूलियत के लिए क्राइम ब्रांच भोपाल द्वारा 8 वर्ष पूर्व अनोखी पहल प्रारम्भ करते हुये नागरिकों के गुम हुये मोबाइल खोजकर लौटाने का केन्द्रीकृत प्रयास आरम्भ किया गया था। सायबर क्राइम, भोपाल के अन्तर्गत लॉस्ट सेलफोन यूनिट का गठन किया गया था। इसका मूल उद्देश्य बुजुर्ग, महिला, पुरूष एवं छात्र छात्राओं को अपने गुम मोबाइल ढूढने हेतु विभिन्न थाने न भटकना पड़े। सायबर क्राइम भोपाल के लॉस्ट सेलफोन यूनिट के द्वारा विगत 5 वर्षों में बरामद किये गये कुल 6337 मोबाइल को बरामद किया गया जिनकी कुल कीमत लगभब 12.20 करोड़ रूपये है जो कि सूची अनुसार मोबाइल रिकवर कर मोबाइल के आवेदकगणों को वापस किये जा चुके हैं।

सड़क दुर्घटना में किसी व्यक्ति को हॉस्पिटल पहुंचाओ और 5000 इनाम पाओ

बनो किसी की लाइफ का गुडसेमेरिटन (नेक व्यक्ति)

रिपोर्ट अनूप गुप्ता

अनूपपुर। यातायात प्रभारी अनूपपुर ज्योति दुबे एवं स्टाफ , एकलव्य आवासीय स्कूल अनूपपुर में गुड सेमेरिटन योजना के विषय में बच्चों एवं आमजन के बीच कार्यक्रम आयोजित कर योजना के विषय में बताया गया कि सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा 3 अक्टूबर 2021 से संचालित यह योजना जिसके तहत ऐसे नेक व्यक्ति को पुरस्कृत किया जाता है, जिसने सड़क दुर्घटना में घायल किसी व्यक्ति को % गोल्डन आवर% में अस्पताल या स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाकर उसका जीवन बचाया हो ,पुरस्कार स्वरूप नेक व्यक्ति (गुड सेमेरिटन) को ?5000 की राशि एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया जाता है।

योजना का उद्देश्यः सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को तत्काल चिकित्सकीय सहायता की आवश्यकता होती है, जो समय पर उपलब्ध न होने पर ऐसे व्यक्ति की दुर्घटना में मृत्यु हो जाती है या, व्यक्ति स्थाई रूप से अपंग हो जाता है सड़क दुर्घटना में मृत्यु दर को कम करने के उद्देश्य यह योजना लागू की गई है। जिसका उद्देश्य आमजन को घायल व्यक्तियों की सहायता करने के लिए प्रोत्साहित कर दुर्घटना के गोल्डन आवर में पीड़ित व्यक्ति को चिकित्सा सहायता उपलब्ध करवाना है।

कौन होंगे पात्रः सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल व्यक्ति ,जिसके सिर या रीड की हड्डी में चोट आयी हो, 3 दिन से अधिक अस्पताल में भर्ती रहा हो, ऐसे व्यक्ति को अस्पताल तक पहुंचाने वाले व्यक्ति को नेक व्यक्ति योजना के अंतर्गत पात्र माना जाएगा।

गुड सेमेरिटन चयनित करने की प्रक्रियाः यदि नेक व्यक्ति द्वारा सड़क दुर्घटना एवं घायल व्यक्ति को अस्पताल तक पहुंचाने की सूचना पहले पुलिस / स्थानीय थाने को दी है ,तो पुलिस द्वारा ऐसे नेकव्यक्ति की जानकारी एक निर्धारित प्रारूप में नाम ,मोबाइल नंबर, घटना का स्थान ,तारीख, समय तथा कैसे पीड़ित व्यक्ति की जान बचाई गई है आदि बिंदुओं पर जानकारी नोट की जाएगी । दूसरी स्थिति में अस्पताल प्रबंधन भी नेक व्यक्ति की उक्त बिंदुओं पर जानकारी नोट कर पुलिस को दे सकता है।पुलिस थाना द्वारा ऐसे नेक व्यक्ति को पुरुस्कृत करने हेतु जानकारी थाना यातायात भेजी जाएगी। यातायात थाना द्वारा प्रस्ताव तैयार कर ,जिला मूल्यांकन कमेटी के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा । मूल्यांकन समिति द्वारा समीक्षा और अनुमोदन उपरांत प्रस्ताव पुरस्कार राशि भुगतान हेतु परिवहन आयुक्त परिवहन विभाग के पास भेजा जाएगा। जहां से पुरस्कार राशि ?5000 संबंधित गुड सेमेरिटन व्यक्ति के बैंक अकाउंट में स्थानांतरित कर दी जाती है। सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की मदद कर इनाम पाओ, यातायात पुलिस अनूपपुर।

स्कूली वाहनों का चलाया गया चेकिंग अभियान

•जिला परिवहन अधिकारी एवं यातायात पुलिस की संयुक्त कार्रवाई
•20 स्कूल वाहन चेक किये 5 पर कार्रवाई,8000 रुपए का लगाया गया जुर्माना

कैलाश कुमार - सह संपादक (युवा प्रदेश)

जिला सड़क सुरक्षा समिति के अध्यक्ष कलेक्टर अनूपपुर श्री आशीष वशिष्ठ, पुलिस अधीक्षक अनूपपुर श्री जितेंद्र सिंह पवांर, एव अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनूपपुर श्री इसरार मन्सूरी, के निर्देशानुसार जिला परिवहन अधिकारी अनूपपुर श्री सुरेंद्र सिंह गौतम एवं यातायात प्रभारी ज्योति दुबे की संयुक्त टीम द्वारा आज कोतमा कस्बा में स्थित स्कूलों के स्कूली वाहन चेक किए गए चेकिंग दौरान वाहनों के दस्तावेज फिटनेस, परमिट बीमा, प्रदूषण कार्ड ,ड्राइवर का ड्राइविंग लाइसेंस एवं बच्चों की सुरक्षा की दृष्टि से वाहनों में आवश्यक सुरक्षा इंतजाम जैसे अग्निशमन यंत्र, सीसीटीव्ही कैमरे, स्कूल वाहन की खिड़कियों में लगी ग्रिल आदि की सघन चेकिंग की गई। कुल 20 वाहन चेक किए गए, जिसमे 5 वाहनों में कमी पाए जाने पर चालानी कार्रवाई 8000 का जुर्माना लगाया गया।

बिना फिटनेस बस पर हुई चालानी कार्रवाई

ग्रीनलैंड पब्लिक स्कूल की बस का फिटनेस न होने पर ?5,000 का चालान काटा गया । तथा लिखित में पत्र देकर हिदायत दी गई बस के सभी दस्तावेज कंप्लीट होने, के बाद ही बच्चों के परिवहन में उसका उपयोग करेंगे एक, बस कि गई जप्त भारत माता हायर सेकेंडरी स्कूल की बस जिसका परमिट प्रबंधक द्वारा मौके पर प्रस्तुत न करने पर बस को जप्त किया गया। अग्निशमन यंत्र एवं फर्स्ट एड बॉक्स ना होने पर 6वाहनों पर की गई चालानी कार्रवाई चालानी कार्रवाई मे बृजेश सिंह चौहान प्रधान आरक्षक विष्णु तिवारी मनीष सिंह आरक्षक आरक्षक विनय मिश्रा उपस्थित रहे। स्कूली वाहन के संबंध में स्कूल प्रबंधकों को माननीय सुप्रीम कोर्ट के गाइडलाइन अनुसार सभी मापदंडों को पूरा करने की हिदायत दी गई। सभी स्कूल वाहन पीले रंग से पेट होना चाहिए। वाहन के दाहिने और बाएं मध्य में नीले रगं से स्कूल का नाम लिखा होना चाहिए। वाहन के सभी आवश्यक दस्तावेज जैसे फिटनेस, परमिट, बीमा, प्रदूषण कार्ड, ड्राइवर का ड्राइविंग लाइसेंस आदि होने चाहिए। स्कूल वाहन में सीसीटीव्ही कैमरा, अग्निशमन यंत्र, फर्स्ट एड बॉक्स लगे होने चाहिए। वाहन की खिड़कियों में ग्रिल लगी होनी चाहिए। वाहन के आगे एवं पीछे स्कूल बस या वेन लिखा होना चाहिए। आदि के विषय में स्कूल प्रबंधकों को बताया गया।

अनाधिकृत बिजली जलाने पर 20 प्रकरणों में 4 लाख 72 हजार से अधिक की बिलिंग की गई

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा 181 प्रकरणों में सूचना प्राप्त होने के उपरांत 57 प्रकरणों में जांच की गई। इनमें 20 प्रकरणों में अवैध बिजली की चोरी पाये जाने पर 4 लाख 72 हजार 838 रूपये के बिल जारी किए गए, जिसमें 6 प्रकरणों में 1 लाख 23 हजार 643 रूपये की कुल राशि प्राप्त की गई है। इनमें ग्वालियर शहर वृत्त में कुल 70 शिकायतें मिली, जिनमें से 24 की जांच की गई तथा 6 प्रकरणों में 1 लाख 18 हजार 917 रूपये की बिलिंग की गई। इसके विरूद्ध 77 हजार 243 रूपये का राजस्व अर्जित किया गया। इसी तरह ग्वालियर ग्रामीण वृत्त में 26 गुप्त शिकायतों में से 11 को चेक किया गया। ग्रामीण सर्किल दतिया में 21 प्रकरणों में से 16 की जांच की गई तथा एक प्रकरण में 17 हजार 857 रूपये का बिल दिया तथा 3 प्रकरणों में 46 हजार 400 रूपये का राजस्व अर्जित किया गया। मुरैना में 42 शिकायतों पर 1 की जांच की गई जबकि भिंड ग्रामीण में कुल 22 शिकायतों के विरूद्ध 05 की जांच हुई तथा इनमें से 13 की बिलिंग की गई जिनको 3 लाख 36 हजार 064 रूपये बिल दिया गया। गौरतलब है कि कंपनी द्वारा विद्युत की चोरी के प्रभावी रोकथाम एवं विद्युत के अवैध उपयोग को रोकने के लिए यह योजना चलाई गई है। योजनांतर्गत कोई भी व्यक्ति बिजली के अवैध उपयोग के संबंध में सूचना कंपनी मुख्यालय, क्षेत्रीय कार्यालय में मुख्य महाप्रबंधक, संचा.संधा/शहर वृत्त कार्यालय के महाप्रबंधकों को लिखित अथवा मोबाईल पर दे सकता है। हाल ही में कंपनी की वेबसाईट https://portal.mpcz.in/web/ पर ऑनलाईन सूचना देने की व्यवस्था की गई है। सफल सूचनाकर्ता को अथवा उपभोक्ता को विद्युत चोरी की क्षतिपूर्ति की पूर्ण राशि जमा होने पर, बिल की राशि के दस प्रतिशत की राशि को पारितोषिक राशि के रूप में दिये जाने का प्रावधान है। पारितोषिक योजना के अंतर्गत सूचनाकर्ता के संबंध में जानकारी पूर्णतः गोपनीय रखते हुए, कंपनी मुख्यालय से प्रोत्साहन की राशि सीधे संबंधित सूचनाकर्ता के बैंक के खाते में हस्तांतरित की जाती है। इस योजना के अंतर्गत क्षेत्रीय, वृत्त स्तर के अधिकारियों को जो शिकायतें प्राप्त होती है, उन शिकायतों पर तत्परता से कार्रवाई सुनिश्चित किये जाने के लिये कंपनी मुख्यालय के द्वारा सतत रूप से निगरानी रखी जाती है। फर्म, एजेंसी, संगठन भी सूचनाकर्ता हो सकते है, जिन्हें कंपनी मुख्यालय में पदस्थ नोडल अधिकारी के माध्यम से पंजीकरण कराना आवश्यक है।

पोर्टल अथवा उपाय एप पर देनी होगी सूचना

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा बिजली चोरी की रोकथाम के लिए इनाम योजना में सूचनाकर्ता को निर्धारित शर्तों के अधीन पारितोषिक देने का प्रावधान है। सूचना के आधार पर राशि वसूली होने पर सफल सूचनाकर्ता को 10 प्रतिशत राशि का भुगतान किया जाएगा। इस राशि की अधिकतम सीमा नहीं है। सूचनाकर्ता को प्रोत्साहन राशि कंपनी मुख्यालय द्वारा सीधे सूचनाकर्ता के बैंक खाते में जमा की जाएगी। प्रकरण बनाने एवं राशि वसूली करने वाले विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भी ढाई प्रतिशत राशि प्रोत्साहन के रूप में दी जाएगी। वर्तमान में इस व्यवस्था को पूर्ण रूप से ऑनलाइन किया गया है तथा कंपनी वेबसाइट लिंक पर क्लिक करके, सूचनाकर्ता के द्वारा गुप्त सूचना दर्ज की जा सकती है। इसके अतिरिक्त उपाय एप्प के माध्यम से भी बिजली चोरी की सूचना दी जा सकती है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा भोपाल, ग्वालियर, नर्मदापुरम, चंबल क्षेत्र के समस्त नागरिकों, उपभोक्ताओं से अपील की गई है कि वे गुप्त सूचना देकर, पारितोषिक योजना का लाभ उठाकर कंपनी को सहयोग प्रदान करें।

एक पेड़ मां के नाम लगाए धरा को हरा-भरा बनाएं- विधायक

वृक्ष धरती का श्रृगांर, हमारे जीवन का सबसे बड़ा आधार है- कलेक्टर

•मसीरा में जनप्रतिनधि, अधिकारी व नागरिकों ने एक हजार पौधों का किया रोपण

कैलाश कुमार - सह संपादक (युवा प्रदेश)

शहडोल - विधायक ब्यौहारी श्री शरद कोल ने कहा कि सुरक्षित भविष्य के लिए पौध-रोपण ज़रूरी है तथा ÷एक पेड़ माँ के नाम÷ अभियान में एक पौधे का रोपण जरूर करें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एक पेड़ माँ के नाम अभियान की शुरुआत की गई है। यह अभियान समाज के हर वर्ग की सक्रिय भागीदारी से जन आंदोलन बन चुका है। उन्होंने कहा कि जब हम एक पेड़ माँ के नाम से रोपेगें तो हमारा विशेष रूप से भावनात्मक जुड़ाव होने से उस पौधे की देखभाल, सिंचाई एवं सुरक्षा के प्रति सतर्कता रखेंगें। उक्त विचार विधायक श्री शरद कोल ने जनपद पंचायत जयसिंहनगर के ग्राम पंचायत मसीरा में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम के दौरान व्यक्त किये।

एक पेड़ मां के नाम÷ अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कलेक्टर श्री तरूण भटनागर ने कहा कि यह अभियान मानव जीवन को बचाने का वृहद अभियान है। यह एक अच्छा कार्य है। इस अभियान को निरन्तर आगे बढ़ाते रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि वृक्ष धरती का श्रृगांर है। यह हमारे जीवन का सबसे बड़ा आधार है। वृक्ष से ही जीवन की निर्भरता है। वृक्ष हमें जीवन बचाने के लिए सब कुछ देता है। हमारा फर्ज बनता है कि अधिक से अधिक पौधे लगाये और उनकी सुरक्षा का संकल्प लें। ग्राम पंचायत मसीरा में आयोजित एक पेड़ मां के नाम अभियान कार्यक्रम के दौरान विधायक श्री शरद कोल, कलेक्टर श्री तरूण भटनागर, जिला पंचायद सदस्य श्रीमती पुष्पानंदू शर्मा ने पर्यावरण को हरा-भरा बनाने के लिए पौधरोपण कर सेल्फी ली तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के दौरान सरपंच, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्री नरेंद्र सिंह धुर्वे, मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अशोक मरावी, तहसीलदार, छात्र-छात्राओं व अन्य लोगों ने लगभग एक हजार पौधों का रोपण किया। इसी प्रकार एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत जनपद पंचायत ब्यौहारी के ग्राम पंचायत रसपुर में विधायक श्री शरद कोल, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती आकांक्षी सिंह, सरपंच श्री संभू कोल, सदस्य श्री पुष्पेंद्र पटेल, अनुविभागीय अधिकारी फॉरेस्ट श्री रेशम सिंह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत श्री रामावतार अगारिया, तहसीलदार श्री रोहित परिहार सहित काफी संख्या लोगों ने भी पौधरोपण किया तथा पौधों की सुरक्षा के लिए टी-गार्ड लगाकर जीवित रखने का संकल्प लिया। गौरतलब है कि जनपद पंचायत जयसिंहनगर के ग्राम पंचायत मसीरा में लगभग 25 हेक्टेयर में 40 हजार पौधों का रोपण किया जाएगा तथा जिले में 15 अगस्त तक शहडोल जिले में लगभग 23 लाख 49 हजार पौधे रोपित किये जाएगें।

लेखक का मन

लेखक का मन साथियों
कोरा पन्ना होता है ।
वक्त और हालात देख वह
शब्दों के बीज बोता है ।

अन्याय अत्याचार को
लेखक नहीं छुपाता है,
सच्ची इबारत लिख कर
लेखक सच बतलाता हैं,
सच गर देखा जाए तो
लेखक कभी ना सोता है
वक्त और हालात देख वह
शब्दों के बीज बोता है।

अपराध करने वाला
राजा हो या रंक
लेखक,लेखन से अपने
मार देता है डंक,
सच को लिखने के कारण
बहुत कुछ वह खोता है,
वक्त और हालात देख वह
शब्दों के बीज बोता है।

शासन को कर्तव्य के प्रति
लेखक सजग करता है,
आए कोई मुसीबत फिर भी
वह सहज ही रहता है,
लेखक गलत लिखे अगर
जीवनभर वह रोता है,
लेखक का मन साथियों
कोरा पन्ना होता है,
वक्त और हालात देख वह
शब्दों के बीज बोता है।

हरीश पांडल
छत्तीसगढ़

एक कदम ग्रामीण अंचलो की ओर ... वर्तमान नवीन पीढ़ी और शिक्षा का स्तर !

हमारे देश की अधिकतम जनसंख्या आज भी ग्रामों में निवास करती है...और इस जनसंख्या का अधिकतम हिस्सा ग्रामों में कृषि पर निर्भर हैं..इसलिए हमारे देश को कृषि प्रधान कहा जाता रहा है। इसी प्रकार यदि मध्यप्रदेश की बात करें तो मध्यप्रदेश का कृषि में महत्वपूर्ण योगदान है! यहां की आधे से ज्यादा जनसंख्या ग्रामीण अंचलो में निवासरत है और हर जो व्यक्ति शहरों महानगरों में रह रहे हैं उनका वास्तविक घर तो ग्राम ही हैं। हम सभी ग्रामों से प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े हुए हैं, तो फिर आज वर्तमान समय में हमने ग्रामों से इतना मुख क्यों मोड़ लिया! हमारी वर्तमान पीढ़ी का झुकाव मोबाइल फोन की ओर अत्याधिक होता जा रहा है! वह काल्पनिक दुनिया में मशगूल हैं! वह शुध्द हवा, हरियाली और दौड़भाग के खेलो से विमुख होते जा रहे हैं! गांव की डगर से उन्हें कोई लेना देना नहीं! शायद गलती वर्तमान नवीन पीढ़ी की नहीं..हमारी ही है,क्योंकि कहीं ना कहीं आप अपने बच्चों को ग्रामीण वातावरण से नहीं जोड़ पा रहे। जब ग्रामीण अंचल से जुड़ा व्यक्ति सफल होता है और सफल होकर अच्छे पद पर पहुंचता है तो वह ये क्यों भूल जाता है कि..जिस गांव से मैं निकला था वही मेरा वास्तविक घर था..वही मेरी मूल पहचान है उस ग्राम के लिए मुझे कुछ बेहतर करना है।% अगर हर सफल व्यक्ति अपने गांवों के हित में थोड़ा कुछ बेहतर करने का प्रयास करें तो ग्रामीण अंचलों की अनगिनत समस्याओं का निवारण यूंही हो जाऐगा, किंतु हम जिस गांव से निकलते हैं उस गांव की तरफ पुनः नहीं देखते..हमारा झुकाव और लगाव महानगरों की तरफ हद से ज्यादा बड़ गया है अब हमें महानगरों की ज़हरीली प्रदूषित वायु सुहावनी लगने लगी..दूषित वायु के संग दूषित विचारों का जन्म हुआ..अपनापन खोता जा रहा है। गांवो के वातावरण ने तो हमें शुध्द वायु और शुध्द विचार ही दिये सदा..ग्रामीण स्तर हमें आपस में जुड़कर रहना सिखाता है जबकि महानगरों शहरों ने हमें आधुनिकता के नाम पर नग्नता परोस दी और वर्तमान पीढ़ी अपनी सभ्यता संस्कारों को छोड़ आधुनिकता के वास्तविक मायने समझ ही नहीं पा रही! सभ्यता संस्कारों को संजोते हुए आधुनिकता विचारों में होनी चाहिए। कुछ वक्त निकालकर ग्रामीण अंचलों की ओर..पुनः मुढिये..पलटिये अपने वास्तविक घर की ओर..कभी तो जाइये देखिये..वहां शिक्षा के हालात बेहतर नहीं हैं, हमारे ग्रामीण अंचलों के बच्चे आज भी ढंग से शिक्षा अध्ययन करने में असमर्थ हैं! हमारे दूरस्थ दुर्गम गांवो के विद्यालयों का भ्रमण तो करिये..तब शायद एहसास हो कि हमारे ग्रामीण बच्चों का भविष्य अंधकारमय है..जिसे शिक्षा के सकारात्मक प्रकाश का इंतजार है। आज भी अनेक ग्रामीण अंचल है जहां पर शासकीय विद्यालयों के हालात खराब हैं अनियमितताओं और अव्यवस्था का बोलबाला है। छोटे-छोटे बच्चे अध्ययन से दूर होते जा रहे हैं किंतु हम इस ओर ध्यान ही नहीं देना चाहते। हमें याद रखना चाहिए हम जिस गांव से निकले उस गांव के प्रति हमारा स्वकर्तव्य और जिम्मेवारी समझकर हम अपने ग्रामों के प्रति कुछ तो बेहतर कर सकें, ये गांव और गांव की पगडंडियां आज भी इंतजार करती हैं आपका,शिक्षा के सकारात्मक उजियारे का..कुटीर उद्योगो व रोजगार के सकारात्मक अवसरों का..इन्हें इंतजार है आपके साथ एवं सहयोग का! कभी ना भूले अपनी विशुद्ध बोली, शुध्द हवा हरियाली और वास्तविक घर ग्रामीण अंचलों को ! जिस दिन गांव बेहतर स्थिति में होगे विकासशील बनेगे तभी हमारे देश का विकास होगा अर्थात् ग्रामों का विकास ही हमारे देश का वास्तविक विकास होगा ।

कु.प्रियंका
सामाजिक विचारक कार्यकर्ता
एवं
रिसर्च स्कॉलर (भौतिकी)

जन अधिकार मोर्चा ने आज हाटकचोरा के शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय से वृक्षारोपण अभियान की शुरूआत की।

आज जन अधिकार मोर्चा ने हाटकचोरा के शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय के परिसर में पौधे लगाकर वृक्षारोपण अभियान की शुरूआत की। इस अभियान के अंतर्गत आम और जामुन के पौधे लगाए गए ताकि भविष्य में बच्चों को छाया और फल दोनों मिलें । यह अभियान जन अधिकार मोर्चा के द्वारा पूरे मानसून सीजन में चलाया जाएगा जिसके अंतर्गत फलदार पौधे पूरे जगदलपुर में प्रत्येक वार्ड और गांव में लगाए जाएंगे। इस अभियान में जन अधिकार मोर्चा विभिन्न प्रकार के पौधे लगाएगा इस अभियान को चलाने का संकल्प जन अधिकार मोर्चा ने गर्मी के मौसम में लिया था जब भीषण गर्मी पड़ रही थी क्योंकि तापमान को अगर नियंत्रित नहीं किया गया तो भविष्य बहुत अंधकारमय होगा और तापमान को नियंत्रण में करने का एक ही बेहतर उपाय है और वह है वृक्षारोपण। वृक्षारोपण अभियान में प्रदेश प्रभारी कर्मवीर सिंह जादौन, प्रदेश उपाध्यक्ष सतेंद्र गौतम,जिला संयोजक रवि तिवारी,जिला उपाध्यक्ष शिवा स्वर्णकार, जिला उपाध्यक्ष श्याम स्वर्णकार,जिला सचिव फूलमति कुड़ियांम व अन्य पदाधिकारी शामिल रहे।

रविदासी कौम के महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी मनीराम जी की याद में रविदासिया धर्म संगठन सरकार को देंगे ज्ञापन

भोपाल। अखिल भारतीय रविदासिया धर्म संगठन मध्यप्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष श्री माधव सिंह अहिरवार ने प्रेस व अनेक सोशल मीडिया के सम्मानित पत्रकार बंधुओं को बताया है कि हमारे मध्यप्रदेश के एकमात्र रविदासिया कौम के महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी शूरवीर मनीराम अहिरवार जी जिला नरसिंहपुर तहसील गाडरवारा के चीचली गोंड राजा के सेवादार थे। जिन्होंने महात्मा गॉधी जी के आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए, देश की आजादी में महत्वपूर्ण योगदान देकर समूची बिरादरी का मान और गौरव बढ़ाया है।

ऐसे महान क्रांतिकारी वीर मनीराम अहिरवार जी जो कि सन् 1942 में जब अंग्रेजी सेना चीचली के गोंडवाना राजमहल पर कब्जा और लूटपाट करने के उद्देश्य से 23 अगस्त 1942 को आये। जिनसे वीर बहादुर मनीराम अहिरवार जी ने युद्ध लड़ा सभी सेनिको को घायल व लहूलुहान कर गाँव से खदेड़ने में सफल हुए थे। अंग्रेजों और वीर मनीराम जी के बीच में भीषण युद्ध हुआ था। मनीराम जी ने अपने अंग वस्त्र हटाकर अंग्रेजों से ताल ठोक कर अपना सीना आगे कर अंग्रेजों मेरे सीने पर गोली चलाओं, कहकर ललकारा था।

फिरंगी अंग्रेजों द्वारा अनेक बंदूक से वीर मनीराम जी पर फायरिंग की किंतु वह इतने फुर्तीले थे कि उनके शरीर में एक गोली भी न छू पाई वह अखाड़े के बड़े जानकर व उनके कर्तव्य, कला, कौशल के आगे अंग्रेज अचंभित रह गयें। वीर मनीराम जी पर चली गोली का सामना महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी वीर मंशाराम जसाटी जी को लगी और मातृभूमि के लिए शहीद हुए। पुनः चली गोली में वीरांगना गौरादेवी कतिया जी को लगी वह भी शहीद हुए। इस युद्ध में दो की मौके पर ही शहादत हुई थी।

अंग्रेजों ने पराजित होकर अपनी जान बचाकर गाँव से भाग जाना ही मुनासिब समझा, दूसरे दिन युद्ध पशचात अंग्रेजी सेना वीर मनीराम जी को ढूढ़ने आयी। लेकिन वीर मनीराम जी भूमिगत हो गये। उन्हें अपने राज्य के गोंडवाना राजमहल की सुरक्षा और आंतरिक व बहरी सुरक्षा की जिम्मेदारी थी। चूंकि उस समय चीचली गोंड राजा नाबालिग थे जो राजकीय शिक्षा ग्रहण करने के लिए बाहर गये थे। ऐसे समय में वीर मनीराम जी ने अपनी जान की बाजी लगा कर हमारे देश की धरोहर को बचाना पहला कर्तव्य माना। अंग्रेजों ने गाँव के कुछ लोगों को गिरफ्तार कर अपने साथ ले गये, जिनसे मनीराम जी के विषय में जानकारी ली और बाद में उनको रिहा कर दिए। तथा किसी को जेल भी भेजा गया, धोखे बाज अंग्रेजों ने वीर मनीराम जी की बहादुरी के किस्से सुनें तो उन्हें गुप्त रूप से गिरफ्तार करके अपना उद्देश्य की पूर्ति करने की योजना बनाई। वह चाहते थे कि मनीराम गोंड राजा के राजमहल की गुप्त जानकारी देंगे, समाज के युवाओं को अंग्रेज सेना में भर्ती करेंगे और गुलामी व बेचारी करने के काम करेगें। अतः योजनाबद्ध तरीके से वीर मनीराम को गिरफ्तार किया गया, जिनकी गिरफ्तारी रिकॉर्ड में नहीं ली गई उन्हें अपने गुप्त जेलखाना ले जाकर अनेक प्रकार से यातनाएं दी गई। जिससे वीर मनीराम गोंड राजा के महल की जानकारी और सभी तरह की जानकारी दे, लेकिन उनके द्वारा न देने पर जालिम अंग्रेजों के द्वारा

उन्हें अपने जेलखाना में ही दफन कर दिया गया। वीर मनीराम जी ने इंकलाब जिंदाबाद का नारा बुलंद कर मात्रभूमि पर न्यौछावर हो गयें।

मध्यप्रदेश की सम्पूर्ण रविदासिया कौम के वीर मनीराम जी ने इतनी बड़ी कुर्बानी देकर देश की आजादी में योगदान दिया। लेकिन बड़ा दुर्भाग्यपूर्ण है कि कांग्रेस की आजादी से लेकर लंबे समय तक मध्यप्रदेश में सरकार रहीं जिन्होंने हमारे कौम के अमर शहीद वीर मनीराम अहिरवार जी का स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के दस्तावेज में नाम दर्ज नही किया। न ही किसी प्रकार का सम्मान दिया, जबकि वीर मनीराम जी के युद्ध में जो शहीद हुए उनकी मूर्ति व पार्क चीचली गोंड राजा महल के सामने अनेकों वर्ष पूर्व बना है। जब भी 23 अगस्त को चीचली में शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने हेतु सभा होती थी। तब-तब वीर मनीराम जी की गौरवगाथा का गुणगान किया जाता रहा है, वह इसलिए कि यदि मनीराम जी के युद्ध का वर्णन नहीं करते हैं तो बाकी शहीद कैसे हुये सिद्ध नहीं किया जा सकता है।

बहरहाल कांग्रेस पार्टी के नेताओँ की एक बहुत बड़ी भूल चूक है। जिसे सुधारा जा सकता था। कुछ छोटी मानसिकता और जातिगत भेदभाव करने वाले लोगों ने भी मनीराम जी का उल्लेख करना ठीक नहीं समझा जबकि श्रद्धांजलि सभा मंच व तमाम प्रकार के शहीदों का इतिहास के लेखन में वीर मनीराम जी के युद्ध की वीरता दर्शाया है। इसके बाद भी उनको सम्मान न देना पूरी कौम के साथ अन्याय है। गत वर्षों में देश ने आजादी का अमृत महोत्सव मनाया गया। जिसके दौरान भाजपा सरकार ने भूले बिसरे शहीदों की जानकारी ली जिसके तहत जिला नरसिंहपुर के रविदासिया कौम के महान महापुरुष वीर मनीराम जी का आजादी के लिए दिये गये योगदान सामने आया। देश के अनेक साहित्यकार, इतिहासकार, शोधकर्ताओं, पत्रकार इत्यादि बुद्धिजीवी वर्ग के द्वारा लेखन कर शोध किया कि जिला नरसिंहपुर तहसील गाडरवारा के नगर चीचली के महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी वीर मनीराम जी थे। जिन्हें अभी तक की सरकार ने उपेक्षा व नजर अंदाज कर दलित वंचित रविदासिया कौम का अपमान किया है।

अखिल भारतीय रविदासिया धर्म संगठन के मध्यप्रदेश प्रदेश अध्यक्ष श्री माधव सिंह अहिरवार जी एवं संत रविदासिया वाणी के प्रचारक महंत श्री राधा किशन दास महाराज जी ने कहा है कि हमारा देश की सबसे बड़ी कौम रविदासिया धर्म संगठन एक बड़ा समूह देश व प्रदेशों में रहते है। अतः हमारे द्वारा पहले मध्यप्रदेश सरकार से ही अनुरोध करेंगे कि वीर मनीराम अहिरवार जी के जन्म स्थान पर भव्य स्मारक, बहुमंजिला इमारत, पार्क और मूर्ति स्थापित किया जाये। ताकि हमारे कौम के शहीद वीर मनीराम अहिरवार जी को भी सम्मान मिल सकें। रविदासिया धर्म संगठन ने दुख व्यक्त किया है कि शहीद परिवार लंबे समय से सम्मान की आवाज उठाते आये है लेकिन उनकी आवाज को राजनैतिक पार्टी न नेताओं के द्वारा दबाई जाती रही है। लेकिन अब हमारे संगठन के द्वारा मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार से पुरजोर ज्ञापन पत्र के माध्यम से मांग की जायेगी। निश्चित रूप से मध्यप्रदेश की सरकार हमारे शहीद के सम्मान का शीघ्र फैसला लेगी।

संत श्री 108 हरिदास जी महाराज भेड़ाघाट जबलपुर का निधन रविदासिया धर्म संगठन द्वारा भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित

मूलचन्द मेधोनिया पत्रकार

जबलपुर। भेड़ाघाट नर्मदा तट जबलपुर में स्थित संत रविदास गुरु आश्रम के महान संत जो कि वर्षों से सतगुरु रविदास जी की वाणी और उपदेश को जन जन में देकर समाज को जागरूक करते हुए, माँ नर्मदा जी भेड़ाघाट में अन्न भोजन भंडार चला कर, गुरु रविदास जी की महिला को आम जनता तक पहुँचाने का महान कार्य करते थे। यह जानकर बहुत दुख हुआ कि रविदासिया कौम के परम आदरणीय संत श्री हरिदास जी महाराज हमारे बीच नहीं रहे। अभी हाल में ही 17 जून को राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सुखदेव जी महाराज के साथ उनके भेड़ाघाट आश्रम पर रविदासिया धर्म संगठन के लोगों ने उनके दर्शन किये थे। उन्होंने जीवन पर्यन्त गुरु वाणी के प्रचार में समर्पित रहे। उनके निधन पर राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सुखदेव जी महाराज, प्रभारी श्री धन्नालाल जोड़वाल प्रदेश धर्माचार्य संत श्री रामदयाल शास्त्री जी महाराज,प्रदेश संयोजक श्री राधाकिशनदास जी महाराज, प्रदेशाध्यक्ष श्री माधवसिंह अहिरवार , श्री मूलचन्द मौरे , श्री नरेश राठौर जी, श्री मुकेश चौधरी जी एवं समस्त रविदासिया धर्म संगठन कार्यकर्ताओं कीओर से विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्हें नमन किया। अमर शहीद वीर मनीराम अहिरवार जी के पौता मूलचन्द मेधोनिया जी ने भी महाराज जी के निधन पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि संत श्री के आशीर्वाद से भेड़ाघाट नर्मदा तट पर इतना अच्छा गुरु आश्रम है कि वहां पर रविदासिया कौम के सामाजिक कार्य और शादी विवाह हमेशा होते है। श्री गुरु रविदास जी महाराज के चरणों में अरदास है कि दिवंगत संत श्री जी की आत्मा को अपने बेगमपुरा धाम में स्थान देकर मोक्ष प्रदान करें ।

एक्ट ऑफ़ गॉड या एक्ट ऑफ़ फ्रॉड

भावना मंगलमुखी, मुंबई

दोस्तों आज हम मुद्दे को समझने से से पूर्व नज़र डालते हैं कुछ समसामयिक सुर्खियों पर --

- अज्ञात कारणों से लगी आग, झोपड़ियां जलकर खाक !
- पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट, 30 मजदूर झुलसे, 3 मरे, 13 घायल, 4 की हालत गंभीर..
- इस स्टेशन के समीप घटी रेल दुर्घटना, इतने मरे, इतने घायल और इतने की हालत गंभीर...
- बंगाल व उड़ीसा में चक्रवात ने मचाही तबाही..
- असम में बाढ़ से लाखों लोग विस्थापित..
- बिहार में भ्रटाचार से कुपोषित पहली ही बारिश में ढहे 17 दिन में 12 पूल..
- दिल्ली एयरपोर्ट की छत गिरी, हादसे में कैब ड्राइवर की की मौत !
- सूरत में निर्माणाधीन बिल्डिंग गिरी, 7 लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका..
- हिमाचल में बांध फूटा ! गांव में घुसा पानी, मवेशी बहे, फसलें हुई चौपट..
- प्री मानसून बारिश में ही अयोध्या स्टेशन की दीवार गिरी, रामपथ में 3 किमी में बने 13 गड्ढे !
- पहली बारिश में ही मायानगरी पानी - पानी, प्रशासन की खुली पोल, यातायात में हुआ अवरोध, पटरियां डूबी, लाइफलाइन की रफ़्तार थमी !
- उत्तराखंड में भूस्खलन की चपेट में आए वैष्णोदेवी जा रहे श्रद्धालु, यातायात बाधित, रास्ते में फंसे अमरनाथ यात्री..
- बाबा के सत्संग में श्रद्धालुओं में मची भगदड़, सवा सौ मरे, दो सौ घायल..

बाबा हुआ फरार, न एंबुलेंस, न डॉक्टर,
रामभरोसे बाबा के भक्त !

नमस्कार साथियों अग्निकांड, रेल दुर्घटनाएं, मानसून... बारिश... बाढ़... भूस्खलन... भगदड़... मौतें... आदि से जुड़ी ऐसी अनगिनत खबरें मुझे इस विषय पर सोचने और उनके कारणों का विश्लेषण करने को विवश करती है। इन सब पर लिखने से पूर्व मेरे मस्तिष्क में बारंबार एक अनिश्चय वाली स्थिति उत्पन्न हो रही थी कि इस विषय का शीर्षक क्या लिखूं ? एक बार मन में आया कि -- प्राकृतिक प्रकोप या मानवीय मुसीबत, दूसरे ही पल मन में आया कि नहीं प्राकृतिक आपदाएं या मानवीय विपदाएं उपयुक्त होगा ! तभी अचानक मोदीजी का बंगाल चुनाव प्रचार के समय का एक भाषण याद आ गया जिसमें मोदीजी ने बंगाल में चक्रवात में एक पूल गिरने पर कहा था कि यह एक्ट ऑफ़ गॉड नहीं, एक्ट ऑफ़ फ्रॉड है। फिर मैंने निश्चय किया अब इससे अच्छा और कोई शीर्षक हो ही नहीं सकता ! दोस्तों चूंकि मानसून की गणना तो हमारे बुजुर्ग लोग भी किया करते थे, वे कहते थे कि मकरसंक्रांति से लगभग एक मास पूर्व(उत्तरी गोलार्ध में सबसे छोटे दिन 22 दिसंबर को आधार माना जा सकता है।) से जिस दिन जिस स्थान/क्षेत्र से बादलों का एक विशेष उत्पत्ति लक्षण(गर्भधारण) दिखाई देता है, ठीक छह माह पश्चात उस क्षेत्र में उसके बरसने की संभावना रहती है। अक्षय तृतीया के पश्चात वे

अलग - अलग चौदह दिनों की निश्चित समयावधि में तपन, पवन और प्री मानसून वृष्टि के आधार पर अपने पूर्वानुमान में और विशिष्टता जैसे -- बारिश अधिक/कम होगी, खंडवृष्टि होगी, बारिश अधिक होगी लेकिन पैदावार नहीं हो पाएगी, फसलों में रोग लगेगा या पैदावार नष्ट हो जाएगी या फिर सिर्फ़ चारा ही हो पाएगा आदि विश्लेषण करते थे। हालांकि वे बारिश को इंद्र भगवान की कृपा व आशीर्वाद समझते थे लेकिन मैं उनकी इस गणना को भी जलवायवीय अवधारणाओं के अनुरूप विशेषरूप से राजस्थान के लिए सटीक मानती हूं। चूंकि बचपन से ही मेरी भूगोल में भी विशेष रुचि रही है। मैं सौर मंडल, ऋतु परिवर्तन, तापमान, वाष्पीकरण, उच्चदाब, निम्नदाब, मानसून की उत्पत्ति, दिशा व गति के प्रारूप को भी समझती हूं इसलिए मैं कभी यह नहीं मानती कि बारिश इंद्रदेव या वरुणदेव करते है और वे नाराज़ हो जाए तो बारिश नहीं होती है और कुछ उपाय द्वारा उन्हें खुश करके बारिश करवाई जा सकती है या अगर इंद्रदेव पूरी तरह ही रूठ जाए तो बाढ़ का प्रकोप करते है इत्यादि। बारिश होना एक विशुद्ध प्राकृतिक चक्र है और ये इसी जलवायवीय चक्र के नियमानुसार ही होती है। सामान्यतया जिस वर्ष गर्मी अधिक पड़ती है, उस वर्ष अच्छी बारिश के आसार रहते है। कभी - कभी अलनीनो अथवा ला नीनो के प्रभाव से अपवाद स्थितियां भी बनती है।

लेकिन आजकल मनुष्य ने अपनी तीव्र व त्वरित भौतिक उन्नति के चक्कर में प्रौद्योगिकी की सहायता से प्रकृति के सामान्य स्वरूप को विरूपित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है ! उसने बड़े - बड़े जंगल काट दिए, पहाड़ों को चीर दिया और धमाके करके नाज़ुक बना दिया, लोभ - लालच और भ्रष्टाचार में डूबकर घटिया सामग्री का इस्तेमाल करके सिर्फ़ मिट्टी और रेती के सड़के,पूल और बांध बना दिए। अधिक जनसंसंख्या वाले क्षेत्रों में घरों का सघन प्रारूप, तंग रास्ते, अतिक्रमण, जल निकासी की व्यवस्था का अभाव या दुरुस्त करने में अनदेखी से थोड़ी सी बारिश में अत्यधिक जलभराव, सड़कों में गड्ढे बन जाना, यातायात बाधित होने, सांप - बिच्छू, मच्छर - मलेरिया का प्रकोप आदि का खतरा बढ़ जाता है। जलवायवीय परिवर्तन अर्थात मौसम का प्रारूप बदलना, मौसमी विद्रूपताएं भयंकर गर्मी, अति वृष्टि से बाढ़ आना/ अनावृष्टि या सूखा पड़ना और अन्ततः हरितग्रह प्रभाव के फलस्वरूप समुद्रतल का स्तर बढ़ने से तटीय क्षेत्रों के जलमग्न होने जैसे इसके दीर्घकालीन परिणाम भी हो सकते है।

उपरोक्त सभी स्थितियों को जानते - समझते हुए भी न सरकारें सबक लेती है, न जनता जागरूक होती है। नेताओं को भी पता है कि जनता ये सारी परेशानियां कुछ दिन पश्चात भूल जाएगी और वोट तो हमारी जाति या धर्म के नाम पर मिल ही जाएगा इसलिए इन सब समस्याओं पर कोई खास ध्यान नहीं देते। जीतने के बाद कहते हैं -- हम बन चुके है नेता भाड़ में जाए जनता। जब चुनाव नजदीक आता है, उससे छह माह पूर्व अपने मित्र ठेकेदार से कमीशन लेकर उसे ठेका दिलाते है फिर वह घटिया किस्म की सामग्री से पुरानी सड़क की मेकअप करके उसे चमका देता है, जनता खुश होकर नेता को फिर से जीता देती हैं और जब पहली ही बारिश में सड़क बहकर चली जाती है, तब नेताजी का बयान आता है कि नदी में पानी आ गया था ! अब उन नेताजी को कौन समझाए कि नदी में पानी नहीं आएगा तो क्या रेत ही अपने आप बहती रहेगी ?

और यह कुव्यवस्था सिर्फ़ सड़क निर्माण तक ही सीमित नहीं है। मुझे याद है सन् 2000 के आसपास मेरे गांव के निकट पश्चिमी राजस्थान का दूसरा बड़ा बांध *मूलसागर बांध, जिसे ढारिया का बांध भी कहते है, का निर्माण हुआ था, लगातार चार - पांच साल अच्छी बारिश नहीं हुई थी लेकिन 2006 में जैसे ही थोड़ी ढंग की बारिश हुई, पहली बार बांध भरने से पहले ही फूट गया और बांध का पूरा पानी पड़ोसी डुठारिया गांव में जा घुसा, कई लोगों की भेड़ - बकरियां बह गई थी तो कईयों की फसलें चौपट हो गई थी। पिछली साल 2023 में नर्मदा नदी पर बनवाए गए मोदीजी के ड्रीम प्रोजेक्ट सरदार सरोवर बांध पर मोदीजी के जन्मोत्सव को स्टंटबाजी द्वारा यादगार बनाने हेतु उसके पानी को रोककर रखा गया लेकिन अचानक बारिश बढ़ने से उस पानी को एक साथ छोड़ा गया और लाखों लोगों को कृत्रिम बाढ़ का दंश झेलना पड़ा। इस बार पहली ही बारिश में बिहार में मात्र 17 दिन में 12 पूल ढहने, अयोध्या के रामपथ में पहली बारिश में गड्ढे बन जाने, हवाई अड्डों की छतें क्षतिग्रस्त होने इत्यादि में उनके निर्माण के समय रिश्वत, दलाली व घटिया किस्म की सामग्री उपयोग करने का स्पष्ट संदेह होता है कि यह सबका साथ और भ्रष्टाचार का विकास का मॉडल है क्योंकि एक तरफ़ सरकार लोगों को वृक्षारोपण के लिए जागरूक व प्रेरित करती है, दूसरी तरफ़ अडानी जैसे पूंजीपति मित्रों को हसदेव जैसा जंगल काटने की अनुमति दे देती है।

यहां इस बात का उल्लेख करना आवश्यक हो जाता है कि जापान एक द्वीपीय देश होने और वहां प्रतिदिन भूकंप के झटके आने के बावजूद उनके ढांचे इस तरीके से धराशाही नहीं होते क्योंकि वहां के लोग अपने कार्य के प्रति कट्टर ईमानदार है।

चूंकि लंबे समय से कोई भर्ती न होने से रेलवे भी मानव संसाधन की कमी से जूझ रहा है। परिणामस्वरूप कर्मचारियों पर अधिक कार्यभार व पर्याप्त विश्राम के अभाव में वे व्यवस्थित ध्यान नहीं दे पा रहे हैं इसलिए आए दिन रेल दुर्घटनाएं बढ़ रही है। लेकिन आखिर जब तक जनता जागरूक होकर इस व्यवस्था को परिवर्तित नहीं करेगी, तब तक सदाचार का मुखौटा लगाए भ्रष्ट नेताओं की निष्पक्ष जांच होना मुश्किल ही नहीं, नामुमकिन है ! सिर्फ़ लीलापोती होती रहेगी और जनता भी इसे नियति का प्रसाद समझकर सहती रहेगी।

कम से कम मानसून के समय में लोगों की अज्ञानता व अंधश्रद्धा पर टिकी जान जोख़िम में डालने वाली धार्मिक यात्राओं जैसे -- अमरनाथ यात्रा, वैष्णोदेवी यात्रा, जगन्नाथ यात्रा, पंढरपुर यात्रा, कावड़ यात्रा, बाबाओं के सत्संग इत्यादि पर तो प्राथमिकता से प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए लेकिन देश के डंकापति ही नॉन बायोलॉजिकल यानि अजन्मा होने का दावा करे और सबसे बड़े प्रदेश के मुखिया ही बाबाजी हो, जो तथाकथित धार्मिक लोगों को प्रोत्साहन व संरक्षण प्रदान करते हो, आखिर सरकारों और नेताओं के पास व्यवस्था से निराश जनता को झांसा देने के लिए जाति - धर्म के आडंबर की सहानुभूति के सिवाय कोई उपलब्धियां भी तो नहीं है, इसलिए उनसे तर्क एवं वैज्ञानिकता की अपेक्षा करना ही बेमानी हो जाता है फिर भी हमें निरंतर तर्क की सहायता से जनता को जागरूक करके वैज्ञानिक चेतना को विकसित करते रहना चाहिए।

आगजनी की घटनाओं पर अंकुश लगाने हेतु कम से कम सार्वजनिक स्थलों पर धूम्रपान पर प्रतिबंध तथा दस से ज्यादा लोगों के ऑफिस/कंपनी में अग्निशमन यंत्र की उपलब्धता को अनिवार्य किया जाना चाहिए।

संत रविदास बिहार समिति अशोका गार्डन हुआ वृक्षारोपण

मूलचन्द मेधोनिया पत्रकार

भोपाल। संत रविदास बिहार एकतापुरी अशोका गार्डन के वृक्ष रोपण कार्यक्रम के शुभ अवसर पर आशीष बच्चन राधा कृष्ण दास जी महाराज एवं राहुल भंते जी के द्वारा बुद्ध वंदना एवं सतगुरु रविदास जी महाराज की आरती अरदास पाठ के बाद कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व डीएसपी मध्य प्रदेश पुलिस नेपाल सिंह दमाले साहब संरक्षक अखिल भारतीय रविदासिया धर्म संगठन भारत एवं राजन प्रसाद जी शिक्षा विभाग डायरेक्टर एवं पूर्व प्रदेश अध्यक्ष बहुजन सोशल फ्रेंड विशेष रूप से उपस्थित रहे प्रथम वृक्ष रोपण कर दोनों अतिथियों ने कार्यक्रम को शुभारंभ किया उसके बाद अपने उद्बोधन में श्री नेपाल सिंह साहब ने समस्त समाज को बताया कि वृक्ष रोपण मानव जीवन भारत के लिए अति महत्वपूर्ण है हम सबको अपने जीवन में वृक्ष रोपण करना बहुत अनिवार्य है और आने वाले समय में प्रकृति को बचाने के लिए संत रविदास बिहार समिति की जे बहुत अच्छी पहल है साथ में समिति के सभी पदाधिकारी का धन्यवाद किया और संत रविदास बिहार के लिए 50 बोरी का नगद दान मेरी तरफ से रहेगा नेपाल सिंह दामले कार्यक्रम के दूसरे अतिथि सम्मान में राजेंद्र प्रसाद जी ने भी समाज मनुवाद से दूर रहने की सलाह दी और समिति का साधुवाद करते हुए अपनी बात को समाप्त किया इसी कड़ी में सुंदरलाल वर्मा जी पूर्व दूरदर्शन अधिकारी असा कामले जी गोविंद कहारे रवि शंकर सूर्यवंशी जी प्रताप चंद्र जाटव जी अमर सिंह चौधरी जी अनिल मंडराई जी गोपाल निवार जी सेवंत राज बोरले जी रविंद्र कुमार भागीरथ प्रसाद अहिरवार एवं तमाम समिति से जुड़े हुए सहयोगी सभी समिति के सदस्य ने मिलकर आज वृक्ष रोपण को संपन्न किया कार्यक्रम का संचालन माधव सिंह अहिरवार जी ने किया कार्यक्रम में आए हुए सभी अतिथियों को आभार महिला मंडल की अध्यक्ष सुनीता असबरे जी ने किया सभी साथी महत्वपूर्ण कार्यक्रम में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाया उन सभी का संत रविदास बिहार समिति एकता पुरी अशोका गार्डन भोपाल द्वारा आभार व्यक्त कर धन्यवाद ज्ञापित किया।

Flat for sale

E/7 SAGAR DEEP APARTMENT ARERA COLONY SIZE 1270 PRICE 30 LAKH

Trilanga society ground floor 1800sqft 3bhk

Duplex Kolar main road se laga hua 1500sqft buildup 2600sqft price 1cr negotiable ***contact 9594433435***

मकान, दुकान, फ्लैट खरीदने हेतु संपर्क करें **दया चौधरी- 9594433435**

विधानसभा होगी पेपरलेस

सात सिंचाई परियोजनाओ को मोहन सरकार की मंजूरी

मध्य प्रदेश विधानसभा को जल्द ही पेपरलेस बनाया जाएगा। इस पर 24 करोड़ रुपये खर्च होना प्रस्तावित है। योजना की 60 प्रतिशत राशि केंद्र सरकार देगी।

भोपाल | मध्य प्रदेश की विधानसभा पेपरलेस बनने जा रही है। इस योजना में 60 प्रतिशत लागत का वहन केंद्र सरकार करेगी और राज्य सरकार 40 प्रतिशत खर्च करेगी। इस योजना पर राज्य सरकार के 24 करोड़ रुपये खर्च होना प्रस्तावित है। यह योजना एक साल में पूरी तरह क्रियान्वित हो जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में बुधवार को कैबिनेट की बैठक हुई। इसमें कई अहम प्रस्तावों पर मुहर लगी है। प्रदेश के संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने बताया कि राज्य सरकार ने संसदीय कार्य विभाग के मध्य प्रदेश विधानसभा को पेपरलेस बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इस पर 24 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। एक साल में प्रोजेक्ट पूरा किया जाएगा। देश की सभी विधानसभाओं को पेपरलेस बनाने और उन्हें एक प्लेटफॉर्म पर लाने के उद्देश्य से भारत सरकार ने नेशनल ई-विधान एप्लीकेशन लॉन्च किया है। मध्य प्रदेश की विधानसभा देश की 13वीं विधानसभा होगी, जो पेपरलेस होने जा रही है।

आदिवासी क्षेत्रों में सात सिंचाई परियोजनाओं को मंजूरी - राज्य सरकार ने नर्मदा घाटी विकास विभाग की सात सिंचाई परियोजनाओं के टेंडर निकालने की अनुमति दी है। नौ हजार 271 करोड़ रुपये की इन परियोजनाओं में सेण्डवा माइक्रो सिंचाई परियोजना, निवाली माइक्रो सिंचाई परियोजना, सेंधवा माइक्रो सिंचाई परियोजना, महेश्वर-जानापाव माइक्रो सिंचाई परियोजना, धार माइक्रो सिंचाई परियोजना शामिल है। यह सभी परियोजनाएं आदिवासी इलाकों में है, जिससे वहां के किसानों को लाभ मिलेगा। इसी तरह कैबिनेट ने सीधी में नई बोकरो माइक्रो सिंचाई परियोजना को भी मंजूरी दे दी है। इस पर 46 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इस परियोजना से 3310 हैक्टेयर की जमीन की सिंचाई हो सकेगी। इसका लाभरामपुरा नेकिन तहसील के 11 गांवों को मिलेगा।

छात्रवृत्ति में वृद्धि - विमुक्त, घुमन्तु और अर्द्धघुमन्तु कल्याण विभाग के अंतर्गत संचालित छात्रावासों और सामुदायिक केंद्रों में रह रहे छात्र-छात्राओं की छात्रवृत्ति बढ़ाई गई है। अब विभाग के छात्र-छात्राओं को अनुसूचित जाति कल्याण जनजातीय कार्य विभाग से निर्धारित छात्रवृत्ति की दरों में वृद्धि दी जाएगी। बालकों को 1,230 की जगह 1,550 रुपये मिलेंगे। बालिकाओं को 1,270 की जगह अब 1,590 रुपये प्रतिमाह दिए जाएंगे।

सांवेर जेल के लिए 217 करोड़ रुपये मंजूर - कैबिनेट ने इंदौर में सांवेर रोड पर निर्माणाधीन केंद्रीय जेल के शेष निर्माण कार्यों के लिए 217 करोड़ रुपये की राशि के लिए प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है।

मुख्यमंत्री सीखो कमाओ योजना के छात्रों ने ई मेल के माध्यम से मुख्यमंत्री, ऊर्जा मंत्री एवम ऊर्जा विभाग को ज्ञापन पत्र प्रेषित कर नियमित रोजगार प्रदान करने की मांग की

माननीय पूर्व मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा चलाई गई मुख्यमंत्री सीखों कमाओ योजना के छात्रों ने माननीय मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव ,माननीय ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, माननीय पूर्व मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान , एवम अवर सचिव ऊर्जा विभाग को ज्ञापन पत्र ईङ्कमेल के माध्यम से प्रेषित किया एवम समस्त छात्रों द्वारा मांग की गई हम सभी को ट्रेनिंग लेते हुए एक वर्ष होने बाला है, तथा कम्पनी ने हमे 1 माह के बाद निकालने का अल्टिमेटम दे दिया जो रोजगार के नाम से मध्यप्रदेश के युवा छात्रों के साथ धोखा किया गया समस्त छात्रों द्वारा मांग की गई हमे ऊर्जा विभाग मैं नियमित पद पर प्लेसमेंट देकर नियमित रोजगार प्रदान किया जाए।

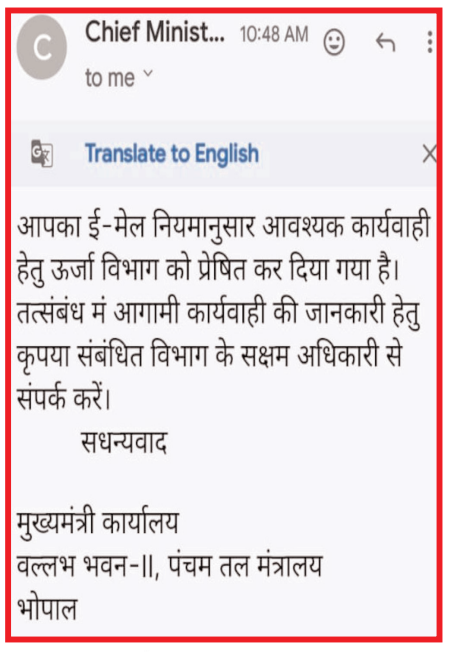

जिला पंचायत की बैठक का बहिष्कार, सीईओ और सदस्यों ने लगाए एक दूसरे पर आरोप, जमकर हुई नारेबाजी

भोपाल | भोपाल जिला पंचायत की बुधवार को होने वाली बैठक नहीं हो पाई। सदस्यों ने आरोप लगाया कि सीईओ नहीं पहुंचे इसलिए बैठक नहीं हुई। सीईओ ने कहा हंगामे के कारण वे नहीं पहुंचे।

भोपाल जिला पंचायत की कई महत्पूर्ण मुद्दों में बुधवार को होने वाली बैठक नहीं हो पाई बैठक में पहुंचे अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सदस्यों ने कहा कि जिला पंचायत सीईओ बैठक में नहीं पहुंचे इसलिए उन्होंने इसका बहिष्कार कर दिया, जबकि सीईओ ऋतुराज अमर उजाला की टीम से बात करते हुए बताया कि बुधवार को बैठक रखी गई थी लेकिन बैठक के पहले ही राजनीतिक दलों के सदस्य हंगामा करने लगे इसलिए बैठक में वे नहीं पहुंचे। उन्होंने कहा है कि गांवों के विकास में किसी प्रकार की परेशानी

नहीं आएगी।

कई मुद्दों को लेकर दोपहर 12 से होनी थी बैठक - गौरतलब है कि बुधवार को दोपहर 12 बजे से जिला पंचायत की सामान्य प्रशासन की मीटिंग थी। अध्यक्ष रामकुंवर गुर्जर, उपाध्यक्ष मोहन जाट समेत सभी सदस्य मीटिंग में समय पर पहुंच गए, लेकिन सीईओ ऋतुराज सिंह आधे घंटे बाद तक भी मीटिंग में नहीं पहुंचे। इस वजह से अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सदस्यों ने मीटिंग का विरोध कर दिया। बहिष्कार करते हुए वह मीटिंग हॉल से बाहर निकल गए। मीटिंग में पानी, स्वास्थ्य, सड़क जैसे कई मुद्दों पर चर्चा होनी था।

सीईओ के खिलाफ निंदा प्रस्ताव - सदस्यों ने बताया कि सीईओ ऋतुराज सिंह के खिलाफ निंदा प्रस्ताव लाया गया है। अध्यक्ष ने कहा कि सीईओ किसी की नहीं सुनते हैं। इसलिए निंदा प्रस्ताव लाए हैं। उपाध्यक्ष मोहन जाट ने कहा कि डीईओ एके त्रिपाठी के विरुद्ध पिछली बैठकों में निंदा प्रस्ताव लाए थे, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसलिए विरोध जताया है। जरूरत पड़ने पर मुख्यमंत्री से भी मिलेंगे। सदस्यों ने कहा कि जनप्रतिनिधियों के कोई काम नहीं हो रहे हैं। इसलिए यह विरोध किया है। आगे भी यह मुद्दा लेकर जाएंगे।

साधारण सभा की बैठक में भी हुआ जमकर हंगामा - दोपहर 1 बजे साधारण सभा की बैठक में भी जमकर हंगामा हुआ। अध्यक्ष, उपाध्यक्ष सहित सभी सदस्यों ने विभिन्न मुद्दों पर चर्चा कराना चाहते थे। बैठक में स्वास्थ्य, शिक्षा, पीएचई, उद्यानिकी, कृषि, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, प्रधानमंत्री सड़क योजना, पीडब्ल्यूडी, आदिम जाति कल्याण, वन, महिला एवं बाल विकास, मत्योद्योग, पशु चिकित्सा सेवाएं, पंजीयन सहकारी सेवाएं, उप पंजीयक सहकारी समिति, खेल समेत जिपं के अंतर्गत मनरेगा, जल जीवन मिशन, स्वच्छता मिशन, मध्याह्न भोजन, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, जलगंगा अभियान, पौधारोपण अभियान (एक पेड़ मां के नाम), 15वां वित्त आयोग अंतर्गत वर्ष 2024-24 की कार्ययोजना समेत अन्य विषयों पर चर्चा होनी थी।

हमीदिया अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में नए सिरे से बनेगी फॉल सीलिंग, काम शुरू

हमीदिया अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में सोमवार को फॉल सीलिंग अचानक भरभराकर गिर गई थी। जब यह घटना हुई, उस वक्त वार्ड में चिकित्सक के अलावा मरीज भी मौजूद थे। फॉल सीलिंग निर्माण के दौरान इमरजेंसी वार्ड को दूसरी जगह शिफ्ट किया जाएगा।

भोपाल | हमीदिया अस्पताल की नई बिल्डिंग के इमरजेंसी वार्ड में दो दिन पहले गिरी फॉल सीलिंग को नए सिरे से बनाया जाएगा। तब तक यहां वर्तमान में स्थापित इमरजेंसी वार्ड को दूसरी जगह शिफ्ट किया जा रहा है। नए सिरे से फाल सीलिंग निर्माण के लिए काम भी शुरू हो गया है।

भोपाल में महिला PRO ने फांसी लगाकर दी जान, घटना से पहले पति से हुआ था झगड़ा, मौके से नहीं मिला सुसाइड नोटभोपाल में महिला PRO ने फांसी लगाकर दी जान, घटना से पहले पति से हुआ था झगड़ा, मौके से नहीं मिला सुसाइड नोट

बता दें कि विगत सोमवार को इमरजेंसी वार्ड में फॉल सीलिंग भरभराकर गिरने के दौरान वहां मौजूद मरीज और डाक्टर बाल-बाल बच गए थे। उस समय एक डाक्टर वार्ड में मरीजों का उपचार कर रहा था। गनीमत रही कि किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। इससे पहले भी हमीदिया की नई बिल्डिंग में फॉल सीलिंग की घटनाएं हुई हैं। हमीदिया अस्पताल की इमरजेंसी में रोजाना लगभग 350 से अधिक केस आते हैं।

पिछले साल हुआ था उद्घाटन - गौरतलब है कि हमीदिया अस्पताल की इस नई बिल्डिंग का उद्घाटन अगस्त 2023 में तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने किया था। यह नई बिल्डिंग 727 करोड़ रुपए की लागत से तैयार की गई है। उस समय तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज ने गांधी मेडिकल कालेज में नए ओपीडी ब्लाक का भूमिपूजन भी किया था।

नए कानून को वापस लेने की मांग

परिवहन अधिकारी के खिलाफ एजेंटों की कामबंद हड़ताल

भोपाल। परिवहन अधिकारी जितेंद्र शर्मा के नए आदेश वाहन ट्रांसफर के समय उपस्थिति एवं पेपर जमा करने का कानून लाने का भोपाल में जमकर विरोध देखने को मिला। परिवहन सलाहकार संघ के अध्यक्ष धीरेंद्र सिंह के नेतृत्व में सभी एजेंट बुधवार को आरटीओ परिसर के सामने एकत्रित हुए और जमकर नारेबाजी की। एजेंट ने कहा कि जब तक आरटीओ अपनी मनमानी करेंगे एवं इस कानून को वापस नहीं लेंगे तब तक कार्य बंद रहेगा। धरने में प्रमुख रूप से जगदीश त्यागी, सुंदर सिंह, जगदीश शर्मा, रहमान, अभिषेक शर्मा, नौशाद एवं समस्त एजेंट मौजूद रहे। इस मौके पर संघ के अध्यक्ष ने कहा कि जब सिस्टम ऑनलाइन है तो फिर ऑफलाइन दस्तावेज लेने और लोगों को हस्ताक्षर करने के लिए आरटीओ कार्यालय तक बुलाना गलत है।

आधार से रजिस्ट्रेशन पर आरटीओ नहीं जाना होता

वाहन फोन एप पर वाहन के रि-रजिस्ट्रेशन समेत अन्य सुविधाएं ऑनलाइन हैं। इसके लिए दो ऑप्शन आते हैं, आधार और मोबाइल। आधार पर पूरा डाटा ऑटोमेटिक आ जाता है। तब वैरिफिकेशन के लिए आरटीओ जाने की जरूरत नहीं होती। मोबाइल से प्रोसेस करने पर डॉक्यूमेंट वैरिफिकेशन के लिए आरटीओ जाना होता है। नए आदेश में सभी को आरटीओ बुलाने की बात कही गई है। ऐसे में लोगों को शहर से बाहर 15 किमी दूर स्थित आरटीओ कार्यालय सिर्फ डॉक्यूमेंट वैरिफिकेशन के लिए जाना पड़ेगा।

रिकॉर्ड हाई छूने के बाद मुनाफावसूली के चलते गिरावट के साथ शेयर बाजार बंद, ऑटो-आईटी स्टॉक्स में भारी बिकवाली

स्टॉक्स में बारी गिरावट के चलते निफ्टी के मिडकैप इंडेक्स में 1200 अंकों से ज्यादा की गिरावट देखने को मिली थी. लेकिन निचले लेवल से इंडेक्स में शानदार रिकवरी देखी गई.

नई दिल्ली | भारती.य शेयर बाजार और उसके निवेशकों के लिए बुधवार 10 जुलाई 2024 का कारोबारी सत्र मायूसी भरा रहा है. सुबह रिकॉर्ड हाई पर खुलने के बाद बाजार में भारी मुनाफावसूली आ गई जिसके बाद बाजार औंधे मुंग जा गिरा. बैंकिंग, ऑटो और आईटी शेयरों में बड़ी गिरावट देखने को मिली है. मिडकैप और स्मॉलकैप स्टॉक्स में बिकवाली के चलते दोनों ही सेक्टर के इंडेक्स में एक समय भारी गिरावट देखी गई. हालांकि निचले लेवल से बाजार ने उबरने की कोशिश की इसके बावजूद बीएसई सेंसेक्स का 440 अंकों का झटका लगा है और 80,000 के नीचे फिसलकर 79,924 पर बंद हुआ है. जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 120 अंकों की गिरावट के साथ 24,313 अंकों पर बंद हुआ है.

चढ़ने - गिरने वाले स्टॉक्स - बाजार को गिराने में बड़ा योगदान महिंद्रा एंड महिंद्रा के स्टॉक का रहा है जो 6.69 फीसदी की गिरावट के साथ क्लोज हुआ है. टाटा स्टील 2.07 फीसदी , टीसीएस 1.85 फीसदी एचसीएल टेक 1.58 फीसदी, एसबीआई 1.27 फीसदी, टाटा मोटर्स 1.02 फीसदी, इंफोसिस 0.78 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है. तेजी वाले शेयरों में एशियन पेंट्स 3.20 फीसदी, एनटीपीसी 1.33 फीसदी, पावर ग्रिड 1.29 फीसदी, अडानी पोर्ट्स 0.71 फीसदी, भारती एयरटेल 0.68 फीसदी, सन फार्मा 0.53 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ है.

मार्केट कैपिटलाइजेशन फिसला - शेयर बाजार में गिरावट के चलते बाजार के मार्केट कैपिटलाइजेशन में गिरावट देखने को मिली है. बीएसई पर लिस्टेड स्टॉक्स का मार्केट कैप 450.06 लाख करोड़ रुपये पर क्लोज हुआ है जो पिछले सत्र में 451.27 लाख करोड़ रुपये रहा था.आज के सत्र में निवेशकों को 1.21 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है.

सेक्टरोल अपडेट - आज के ट्रेडिंग सेशन में फार्मा, एफएमसीजी, एनर्जी, इंफ्रा, हेल्थकेयर, ऑयल एंड गैस सेक्टर के स्टॉक्स में तेजी देखने को मिली है. जबकि बैंकिंग, आईटी, ऑटो, मीडिया, मेटल्स सेक्टर के शेयरों में गिरावट देखने को मिली है. आज के सत्र में मिडकैप और स्मॉलकैप स्टॉक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए. बीएसई पर 4021 स्टॉक्स की ट्रेडिंग हुई जिसमें 1365 स्टॉक्स तेजी के साथ और 2574 स्टॉक्स गिरकर बंद हुए.

महिंद्रा ने घटाई XUV700 की कीमतें, स्टॉक में 7.50 फीसदी की आई बड़ी गिरावट

नई दिल्ली | महिंद्रा एंड महिंद्रा का स्टॉक एक साल दोगुना हो चुका है. लेकिन XUV700 की कीमतें घटाने का फैसला बाजार को रास नहीं आया है.

महिंद्रा एंड महिंद्रा के स्टॉक में बुधवार के कारोबारी सत्र में बड़ी गिरावट देखी जा रही है. मंगलवार के क्लोजिंग लेवल 2925 रुपये से स्टॉक 7.80 फीसदी की गिरावट के साथ 2697 रुपये तक नीचे जा फिसला है. फिलहाल शेयर 7.26 फीसदी की गिरावट के साथ 2714 रुपये पर ट्रेड कर रहा है. महिंद्रा एंड महिंद्रा (Mahindra & Mahindra) के शेयर में गिरावट के चलते निफ्टी के ऑटो इंडेक्स में 2.13 फीसदी की गिरावट देखी जा रही है. स्टॉक में गिरावट के चलते पूरे बाजार पर दबाव देखा गया.

क्यों गिरा महिंद्रा एंड महिंद्रा का स्टॉक - मंगलवार 9 जुलाई 2024 को महिंद्रा एंड महिंद्रा ने अपने सबसे ज्यादा बिकने वाली एसयूवी XUV700 की तीसरी सालगिरह पर कीमतों में बड़ी कटौती का एलान कर दिया. कंपनी ने अपनी इस एसयूवी गाड़ियों की कीमतों में करीब 2 लाख रुपये की कटौती की है. हालांकि ये कटौती अस्थाई समय के लिए है. चार महीने के लिए कीमतों में कटौती लागू रहेगी. AX7 Petrol-MT 6 सीटर की कीमत अब कम होकर 19.49 लाख रुपये एक्स शोरूम हो गई है जो पहले 21.54 लाख रुपये थी. महिंद्रा एंड महिंद्रा ने उसी दिन कीमतों में कमी का एलान किया जिस दिन ये खबर सामने आई कि उत्तर प्रदेश सरकार ने हाइब्रिड कारों के रजिस्ट्रेशन पर टैक्स को खत्म करने दिया है जिसका बड़ा फायदा मारुति सुजुकी को होगा.

नीति आयोग की संचालन परिषद की बैठक 27 जुलाई को, पीएम मोदी करेंगे अध्यक्षता

नीति आयोग की 27 जुलाई को होने वाली नौंवी संचालन परिषद की बैठक की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अध्यक्षता करेंगे। बैठक में 2047 तक भारत को विकसित बनाने से जुड़े दस्तावेज पर चर्चा की जाएगी। नीति आयोग की शीर्ष नीतिगत इकाई परिषद में सभी राज्यों के मुख्यमंत्री, केंद्र शासित प्रदेशों के उपराज्यपाल और कई केंद्रीय मंत्री शामिल हैं।

नयी दिल्ली | प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नीति आयोग की 27 जुलाई को होने वाली नौंवी संचालन परिषद की बैठक की अध्यक्षता करेंगे। बैठक में 2047 तक भारत को विकसित बनाने से जुड़े दस्तावेज पर चर्चा की जाएगी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। नीति आयोग की शीर्ष नीतिगत इकाई परिषद में सभी राज्यों के मुख्यमंत्री, केंद्र शासित प्रदेशों के उपराज्यपाल और कई केंद्रीय मंत्री शामिल हैं। मोदी नीति आयोग के चेयरमैन हैं। नीति आयोग की संचालन परिषद की बैठक 27 जुलाई को होगी।

अधिकारी ने कहा, ''परिषद की बैठक से पहले, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 23 जुलाई को बजट में विकसित भारत के दृष्टिकोण और कार्ययोजना की रूपरेखा पेश कर सकती हैं।'' भारत की आजादी के 100वें साल यानी 2047 तक भारत को 30,000 अरब डॉलर की विकसित अर्थव्यवस्था बनाने के लिए एक दृष्टिकोण पत्र तैयार किया जा रहा है। नीति आयोग को 2023 में 2047 तक विकसित भारत के लिए 10 क्षेत्रवार विषयों को एक संयुक्त दृष्टिकोण में शामिल करने का कार्य सौंपा गया था। इस दृष्टिकोण में विकास के विभिन्न पहलुओं को शामिल किया गया है, जिसमें आर्थिक वृद्धि, सामाजिक प्रगति, पर्यावरण के स्तर पर स्थिरता और बेहतर संचालन शामिल हैं।

एलपीजी ईकेवाईसी अनुपालन के लिए कोई समय सीमा नहीं: हरदीप सिंह पुरी

केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने स्पष्ट किया कि एलपीजी सिलेंडर के लिए ईकेवाईसी प्रमाणीकरण प्रक्रिया का अनुपालन करने की कोई समय सीमा नहीं है।

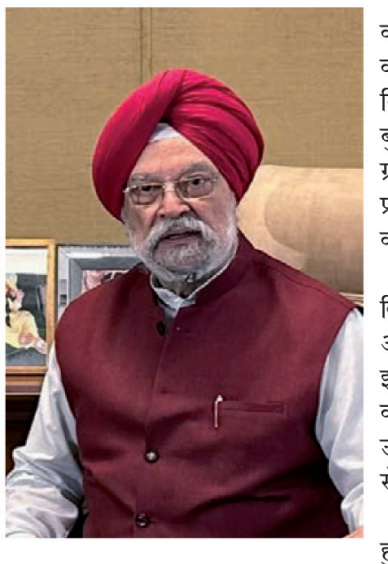

नई दिल्ली | केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने स्पष्ट किया कि एलपीजी सिलेंडर के लिए ईकेवाईसी प्रमाणीकरण प्रक्रिया का अनुपालन करने की कोई समय सीमा नहीं है। पुरी की प्रतिक्रिया सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता वीडी सतीशन के एक पत्र के जवाब में आई।

सतीसन ने पत्र में उल्लेख किया कि हालांकि मस्टरिंग आवश्यक है, लेकिन संबंधित गैस एजेंसियों पर इसे करने की आवश्यकता से नियमित एलपीजी धारकों को असुविधा होती है।

हरदीप सिंह पुरी ने मंगलवार को घोषणा की कि तेल विपणन कंपनियां या ओएमसी फर्जी खातों को खत्म करने और वाणिज्यिक सिलेंडरों की धोखाधड़ी वाली बुकिंग को रोकने के लिए एलपीजी ग्राहकों के लिए ईकेवाईसी आधार प्रमाणीकरण को परिश्रमपूर्वक लागू कर रही हैं।

हालांकि, पुरी ने स्पष्ट किया कि यह प्रक्रिया आठ महीने से अधिक समय से लागू है और इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि केवल वास्तविक उपभोक्ताओं को ही एलपीजी सेवाएं प्राप्त हों।

इस प्रक्रिया के बारे में बताते हुए पुरी ने कहा, "इस प्रक्रिया में, एलपीजी डिलीवरी कर्मी ग्राहक को एलपीजी सिलेंडर वितरित करते समय क्रेडेंशियल सत्यापित करता है। डिलीवरी कर्मचारी अपने मोबाइल फोन का उपयोग करके ऐप के माध्यम से ग्राहक के आधार क्रेडेंशियल प्राप्त करते हैं।

बारिश में टमाटर के दाम पहुंचे आसमान पर, लोगों के लिए खरीदना हुआ मुश्किल

टमाटर की बढ़ती कीमतों पर स्थानीय लोगों ने निराशा व्यक्त की है। एक व्यक्ति ने कहा, 'कुछ दिन पहले ही हमने 28 रुपये किलो टमाटर खरीदा था, लेकिन अब यह ऑनलाइन और स्थानीय बाजार में 90 रुपये किलो बिक रहा है। सब्जियाँ महंगी हो गई हैं।'

नई दिल्ली | देश भर के कई राज्यों में मानसून की बारिश के कारण टमाटर की आपूर्ति प्रभावित हो रही है। आपूर्ति पर पड़े असर के कारण दिल्ली में टमाटर की कीमतें आसमान छूने लगी है। टमाटर बाजार में 90 रुपये प्रति किलोग्राम तक बिक रहा है। दिल्ली की प्रमुख थोक सब्जी मंडियों आजादपुर मंडी, गाजीपुर मंडी और ओखला सब्जी मंडी में भी टमाटर के दाम बढ़ गए हैं।

समाचार एजेंसी पीटीआई के अनुसार, टमाटर की बढ़ती कीमतों पर स्थानीय लोगों ने निराशा व्यक्त की है। एक व्यक्ति ने कहा, 'कुछ दिन पहले ही हमने 28 रुपये किलो टमाटर खरीदा था, लेकिन अब यह ऑनलाइन और स्थानीय बाजार में 90 रुपये किलो बिक रहा है। सब्जियाँ महंगी हो गई हैं।'

आजादपुर मंडी में थोक सब्जी विक्रेता संजय भगत ने पीटीआई-भाषा को बताया, ''बारिश के कारण थोक मंडियों में भी कीमतें 50 रुपये किलो तक बढ़ गई हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि पिछले एक सप्ताह में टमाटर की आपूर्ति कम हो गई है। महाराष्ट्र, कर्नाटक और हिमाचल जैसे राज्यों से इन कृषि उपजों को ले जाने वाले ट्रकों की संख्या में भारी बारिश के कारण परिवहन प्रभावित होने के कारण कमी आई है।"

गाजीपुर सब्जी मंडी के एक विक्रेता ने बताया कि पिछले एक सप्ताह में थोक बाजारों में टमाटर की कीमतें 60-70 रुपये तक बढ़ गई हैं, जबकि एक अन्य ने टमाटर की कीमतों में वृद्धि का कारण फसल को हुआ नुकसान बताया। गौरतलब है कि टमाटर लंबे समय तक खराब नहीं होते और बहुत जल्दी सड़ जाते हैं, इसलिए बारिश के कारण आपूर्ति प्रभावित हुई है, जिससे कीमतें बढ़ गई है।

स्वत्वाधिकारी,मुद्रक,प्रकाशक एवं संपादक नागेश नरवरिया द्वारा जय माता प्रिंटर्स म.नं. 1 अमर दाल मिल के पास पेमदीपुरा चिकलोद रोड के पास बापू कालोनी जहांगीराबाद भोपाल मप्र से मुद्रित एवं म.नं. 51 एक्सटेंशन शिवलोक कॉलोनी फेस-3, खजूरी कलां रोड,तह. हुजूर जिला भोपाल से प्रकाशित। **संपादक** :- नागेश नरवरिया (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा।)